दैनिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

D Edition

Reg.No.RJ26D00120077

भारत टाइम्स

www.bharattimenews.com

सत्यमेव परं श्रुतम्

Bharattimesnews01@gmail.com

विचार

" आप कभी भी खुश नहीं रह सकते यदि आप यह खोजते रहेंगे कि खुशी क्या है। आप कभी जी नहीं सकते यदि आप जीवन का अर्थ ढूँढ़ते रहेंगे"

अल्बैर कामू

पेज 4

वर्ष- 3 | अंक-11 | दिल्ली, मंगलवार 18 फरवरी 2025 | पेज-8 | ई-पेपर नई दिल्ली से प्रसारित

न्यूज. ब्रीफ

लैंड फॉर जॉब मामले में सुनवाई टली, लालू के करीबी पर केस चलाने मंजूरी

पटना। लैंड फॉर जॉब मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में सोमवार को सुनवाई टल गई है। इस मामले में अब 21 फरवरी को सुनवाई होगी। सीबीआई ने कोर्ट की ओर से मांगे स्पष्टीकरण को दाखिल करने के लिए थोड़ा समय मांगा है। 30 जनवरी को कोर्ट ने दो अधिकारियों पर केस चलाने की मंजूरी दी थी। इसमें एक पूर्व आईएएस अधिकारी आरके महाजन थे। दरअसल महाजन लालू यादव के रेल मंत्री रहते रेलवे बोर्ड में थे। पिछली सुनवाई के दौरान स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर डीपी सिंह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए थे। वकील मनु मिश्रा शारीरिक रुप से कोर्ट के अंदर मौजूद थे। इससे पहले 16 जनवरी को सुनवाई टल गई थी।

प्रयागराज महाकुंभ में फिर लगी आग, अब तक पांच बार लग चुकी है आग

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ मेला परिसर में सोमवार को फिर आग लग गई है। सेक्टर-8 में लगी आग पर दमकल कर्मियों ने काबू पा लिया है। बात दें कि महाकुंभ के शुरू होने के बाद से ये पांचवी बार आग लगी है। महाकुंभ में कब कब लगी आग... 19 जनवरी: सेक्टर 19 में गीता प्रेस के कैंप में आग लगी थी, इस हादसे में 180 कॉटेज जल गए। कोई जानहानि नहीं हुई थी। इसके बाद 30 जनवरी को सेक्टर 22 में आग लगी थी, इसमें 15 टेंट जले थे। इसके बाद 7 फरवरी को फिर सेक्टर-18 में आग लगी थी। हादसा शंकराचार्य मार्ग पर हुआ था, इसमें 22 पंडाल जल गए। 15 फरवरी को सेक्टर 18-19 में आग लगी।

44 साल की दो बच्चों की मां, 80 बच्चों के साथ यौन अपराध में गिरफ्तार

वाशिंगटन। कई बार अपराध इतना भयानक होता है कि अपराधी को यह अहंकार होता है कि वहां कभी पकड़ा नहीं जाएगा, लेकिन पकड़ने पर है, दुनिया को विश्वास ही नहीं होता कि इतना संगीन अपराध कोई करता रहे और कानून की गिरफ्त में नहीं आए। अमेरिका में ऐसा ही मामला सामने आया। जहां 44 साल की महिला को 80 बच्चों के साथ यौन अपराध में गिरफ्तार किया। जब ये मामला सामने आया तब पूरे अमेरिका में हड़कंप मच गया। 44 साल की सारा जीन सेलर्स नॉर्थ कैरोलिना की निवासी हैं, जिन्हें उनके ऑफिस से गिरफ्तार किया गया। वह विवाहित हैं और उनके दो बच्चे है।

मोस्ट वांटेंड आतंकी हाफिज सईद के साले की गोली मारकर हत्या, पाकिस्तान में हड़कंप

इस्लामाबाद। हाफिज सईद के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के राजनीतिक विंग के नेता मौलाना काशिफ अली की खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में गोली मारकर हत्या की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, काशिफ अली भारत के सबसे मोस्ट वांटेड आतंकी हाफिज सईद का साला था। रिपोर्ट में बताया है कि पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) के नेता अली को पख्तूनख्वा प्रांत के स्वाबी में उनके घर के दरवाजे पर गोली मारी गई। अज्ञात हमलावर वारदात को अंजाम देने के बाद बाइक पर सवार होकर भाग निकले। पीएमएमएल की स्थापना हाफिज सईद ने की थी। इस पार्टी को लश्कर-ए-तैयबा की राजनीतिक शाखा के रूप में देखा जाता है।

पूजा स्थल कानून से जुड़ी 7 याचिकाओं पर सुनवाई टली, अब किसी और दिन होगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पूजा स्थल कानून से जुड़ी 7 याचिकाओं पर सुनवाई टाल दी। दरअसल केस की सुनवाई 3 जजों की बेंच को करनी थी, लेकिन सीजेआई संजीव खन्ना ने कहा कि आज सिर्फ 2 जजों की बेंच बैठी है। इस कारण यह मामला अब किसी और दिन सुना जाएगा। सीजेआई ने मामले पर दाखिल इंटरवेंशन एप्लिकेशंस पर कहा कि आज हम ऐसी कोई याचिका नहीं स्वीकार करने वाले है। इनकी भी सीमा होती है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट को एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी की याचिका पर भी सुनवाई करनी थी। उनकी याचिका को पहले से पेंडिंग 6 याचिकाओं के साथ जोड़ा गया है। सांसद ओवैसी ने याचिका में 1991 के प्लेसेजं ऑफ वर्शिप एक्ट (पूजा स्थल कानून) को लागू करने की मांग है। कानून के मुताबिक, 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट (विशेष प्रावधानों) 1991 की 6 धाराओं की वैधता पर दाखिल याचिकाओं पर चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने आखिरी बार 12 दिसंबर 2024 को सुनवाई की थी।

दुर्घटना में घायल किसान नेता कुरुबुरु शांताकुमार को एयर एंबुलेंस से बेंगलुरु लाया गया

शांताकुमार को पंजाब से उपचार के लिए बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में भर्ती किया गया है।

बेंगलुरु। पंजाब के पटियाला में एक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए कर्नाटक के किसान नेता कुरुबुरू शांताकुमार को एयर एंबुलेंस से बेंगलुरु लाया गया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। शांताकुमार को पंजाब से उपचार के लिए बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में भर्ती किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी बयान के अनुसार, सीएम सिद्धरमैया ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पटियाला में तीन दिन पहले हुए सड़क हादसे में शांताकुमार गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उन्हें वहां के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हादसे में उनकी रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट आई है। घटना की जानकारी मिलते ही सिद्धरमैया ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शांताकुमार को एयर एंबुलेंस से बेंगलुरु लाया जाए। दिल्ली स्थित कर्नाटक भवन की निवासी आयुक्त इमकोंगला जामिर पंजाब सरकार के मुख्य सचिव और पटियाला अस्पताल के डॉक्टरों के लगातार संपर्क में थीं।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन अब 28 फरवरी तक बंद

प्रयागराज। महाकुंभ में भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन (दारागंज) को अब 28 फरवरी तक के लिए बंद कर दिया गया है। इस बाबत डीएम ने मंडल रेल प्रबंधक को एक पत्र लिखा है। स्टेशन पर तैनात आरपीएफ और जीआरपी जवानों से भी अलर्ट मोड में रहने को कहा गया है। बताया जा रहा है कि अगर भीड़ की हालत ऐसी ही रही तो प्रयागराज संगम स्टेशन को आगे भी बंद रखा जा सकता है। महाकुंभ में शनिवार और रविवार को एक बार फिर से भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई।

राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य देश की महत्वपूर्ण प्राकृतिक धरोहर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

वन्य जीव पर्यटन का वैश्विक केंद्र बनकर उभर रहा है मध्यप्रदेश

घड़ियालों के अलावा चंबल नदी में डॉल्फिन के भी पुनर्वास की है प्रबल संभावना

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य के प्राकृतिक आवास में छोड़े 10 घड़ियाल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश वन्य जीव पर्यटन का एक वैश्विक केंद्र बनकर उभर रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मुरैना क्षेत्र में पर्यटन को विकसित करने के लिए सरकार संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने भविष्य में माधव राष्ट्रीय उद्यान को टाइगर रिजर्व का दर्जा दिलाने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि हम मध्यप्रदेश के वनों में सभी प्रकार के वन्य जीवों के संरक्षण के लिए सक्षम हैं और इस दिशा में हमारे प्रयास जारी रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुरैना स्थित देवरी घड़ियाल केंद्र से चंबल नदी में 10 घड़ियालों (9 मादा और 1 नर) को उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ने के पश्चात मीडिया से चर्चा में यह महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। इस अवसर पर उनके साथ बोट पर विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर, खजुराहो सांसद श्री वी.डी. शर्मा सहित वन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चम्बल अभ्यारण्य हमारे देश की प्राकृतिक संपदा है। यहां दुर्लभ प्रकार की प्रजातियों का संरक्षण किया जा रहा है। बदलते हुये जलवायु के दुष्परिणामों के कारण इन प्रजातियों को नुकसान पहुंच रहा है। मध्यप्रदेश हमेशा से जैव विविधता के लिये महत्वपूर्ण प्रजातियों के संवर्धन एवं संरक्षण के लिये तत्पर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुरैना जिले में स्थित राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य का भ्रमण किया तथा अभयारण्य की व्यवस्थाओं एवं यहां पर्यटकों के लिए उपलबध सुविधाओं का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घड़ियालों को नजदीक से देखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चंबल सफारी का भ्रमण किया गया एवं घड़ियाल संरक्षण के बारे में वन विभाग से जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में वन पर्यटन की अनंत संभावनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने कहा कि चंबल क्षेत्र सहित संपूर्ण प्रदेश में वन्य जीव पर्यटन को बढ़ावा मिले, इसके लिए सरकार कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर कार्य कर रही है। चंबल अभयारण्य में सिर्फ घड़ियाल ही नहीं, डॉल्फिन के भी पुनर्वास की प्रबल संभावना है। वन विभाग के माध्यम से इस दिशा में भी काम जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन विभाग के अधिकारियों एवं घड़ियाल अभयारण्य के कर्मचारियों से घड़ियालों के पालन-पोषण एवं इनके संरक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां लीं। वन विभाग के अधिकारियों के हवाले से मुख्यमंत्री ने बताया कि आज चंबल नदी में छोड़े गए घड़ियालों को वर्ष 2022 में अंडों के रूप में संरक्षित किया गया था। समुचित देखभाल और अनुकूल वातावरण में इन अंडों से घड़ियाल के बच्चे निकले। घड़ियाल के अंडों को कृत्रिम तापमान देकर इनके लिंग का निर्धारण किया गया। भारत ही नहीं, पूरे विश्व में सर्वाधिक घड़ियाल चंबल नदी में पाए जाते हैं। दुनियाभर में करीब 3000 घड़ियाल हैं। इनमें से 85 प्रतिशत सिर्फ चंबल नदी में हैं। मध्यप्रदेश में वर्ष-1978 में चंबल नदी के इस प्रक्षेत्र को वन्य-जीव अभयारण्य के रूप में मान्यता दी गई थी। राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य मुरैना में सन् 1981 से घड़ियाल ग्रो एण्ड रिलीज प्रोग्राम शुरू किया गया था। तब चंबल नदी में घड़ियाल की संख्या 100 से कम थी। उक्त प्रोग्राम से घड़ियाल पुनर्वास केंद्र देवरी पर प्रति वर्ष चंबल नदी से दो सौ अंडे लाकर देवरी केंद्र में घड़ियाल के शावकों को पालकर 120 सेंटीमीटर का होने पर प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया जाता हैं। मुरैना वन विभाग के अनुसार चंबल अभयारण्य में प्रति वर्ष जलीय जीवों का सर्वेक्षण माह फरवरी में किया जाता हैं। वर्ष 2024 की गणना में चंबल अभयारण्य में कुल 2456 घड़ियाल पाये गये थे। घड़ियाल पुनर्वास केंद्र पर 2024 बैच के 70,2023 बैच के 95, 2022 बैच के 85, 2021 बैच के 38 इस तरह कुल 288 घड़ियाल थे। इस वर्ष 108 घड़ियाल चंबल में छोड़ने की अनुमति वन विभाग को प्राप्त हुई है। जिनमें से 13 जनवरी 2025 को 4 नर, 21 मादा कुल 25, 19 जनवरी 2025 को 2 नर, 30 मादा कुल 32, 29 जनवरी 2025 को 10 नर, 11 मादा कुल 21, 6 फरवरी 2025 को 12 नर, 8 मादा कुल 20, इस वर्ष अभी तक 98 घड़ियाल रिलीज किए जा चुके हैं। वन्य जीव पर्यटन के शौकीन पर्यटकों के लिए यहां चंबल बोट सफारी की व्यवस्था की गई है, जो अब काफी प्रसिद्ध हो गई है।

ट्रंप के टैरिफ अटके से भारतीय बाजार पर क्या होगा असर

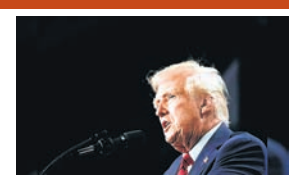

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध समय के हिसाब से लगातार बदल रहे हैं। दोनों ही देशों की टैरिफ स्ट्रक्चर, ट्रेड पॉलिसियां और आर्थिक फैसले समय के साथ बदलते रहे हैं। हाल ही में, अमेरिका ने फेयर एंड रेसिक्रोपाल योजना नाम की एक नई पॉलिसी पेश की है, इसका मकसद इंटरनेशनल ट्रेड में हो रहे घाटे को सुंतलित करना है। इसका मतलब है कि अमेरिका दूसरे देशों से आने वाले सामानों पर ज्यादा टैरिफ (आयात शुल्क) लगा सकता है। हालांकि, एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट बताती है कि इस टैरिफ वृद्धि का भारत पर ज्यादा असर नहीं होगा। इसकी वजह हैं कि भारत ने अपने निर्यात को कई देशों में फैला लिया है और नए बाजार तैयार कर लिए है। इससे व्यापार में गिरावट के नुकसान की भरपाई की जा सकती है। इसके अलावा, भारत और अमेरिका के बीच डिफेंस, एनर्जी और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ रहा है। यह दोनों देशों के आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत बनाएगा। पिछले कुछ वर्षों में भारत और अमेरिका दोनों ने अपने आयात-निर्यात शुल्क (टैरिफ) में बदलाव किए हैं। हालांकि, आंकड़ों साफ होता है कि अमेरिका ने भारत से आने वाले सामानों पर टैरिफ बढ़ाया है, जो 2018 में 2.72 प्रतिशत था और 2021 में बढ़कर 3.91 प्रतिशत हो गया।

राम मंदिर में टूटा दान का रिकॉर्ड, एक साल में आये 700 करोड़...

अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की बाद यहां पर पर्यटकों और श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा हुआ है। देश विदेश से हर रोज बड़ी संख्या में भक्त रामनगरी अयोध्या में दर्शन पूजन के लिए पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं के रोजाना नए-नए रिकॉर्ड बनाने के साथ राम मंदिर की आय में भी तेजी से इजाफा हुआ है। वर्तमान में यह देश के तीसरी सबसे अधिक आय अर्जित करने वाले मंदिरों में से एक है। बीते साल 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी, इसके बाद बीते एक सालों में 13 करोड़ से अधिक श्रद्धालु और पर्यटक अयोध्या दर्शन पूजन के लिए पहुंच चुके हैं। इस दौरान मंदिर सालाना आय भी 700 करोड़ रुपये को पार कर चुकी है। राम मंदिर ने सालाना आय के मामले में स्वर्ण मंदिर (अमृतसर), वैष्णो देवी मंदिर (जम्मू कश्मीर) और शिरडी साई मंदिर (शिरडी महाराष्ट्र) को पीछे छोड़ दिया है। यह आंकड़े बीते साल जनवरी 2024 से जनवरी 2025 तक के हैं। रामनगरी दर्शन पूजन के लिए पहुंच रहे श्रद्धालुओं की वजह से दान के सारे रिकॉर्ड टूट रहे हैं। महाकुंभ में स्नान के बाद लाखों श्रद्धालु रामनगरी पहुंच रहे हैं। राम मंदिर में रोजाना करीब चार लाख श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं।

सैम पित्रोदा का बयान, गलवान के शहीदों का अपमान

कांग्रेस पर हमलावर बीजेपी

दरअसल कांग्रेस के करीबी राहुल गांधी के अंकल सैम पित्रोदा ने कहा था कि भारत को अपनी मानसिकता बदलने की जरूरत है

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, राज्यसभा सांसद और प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा के बयान को गलवान के शहीदों का अपमान बताया है। दरअसल कांग्रेस के करीबी राहुल गांधी के अंकल सैम पित्रोदा ने कहा था कि भारत को अपनी मानसिकता बदलने की जरूरत है और यह धारणा छोड़ने की जरूरत है कि चीन दुश्मन है। बीजेपी नेता त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार आगे बढ़ रहा है। लेकिन, कुछ शक्तियां भारत के विकास को प्रभावित करने में लगी हुई है। ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पित्रोदा ने सोमवार को चीन को लेकर जिस प्रकार का बयान दिया है, उससे यह बात साफ हो गई है कि कांग्रेस पार्टी के चीन के साथ हुए करार का इजहार अंकल सैम ने दिनदहाड़े कर दिया है। सांसद त्रिवेदी ने कहा, गंभीर बात ये है कि जिस प्रकार की बात पित्रोदा ने कही है, वे बातें भारत की अस्मिता, कूटनीति और भारत की संप्रभुता पर बहुत गहरा आघात है उन्होंने (पित्रोदा) कहा है कि चीन के साथ किसी प्रकार का विवाद ही नहीं है, यानी भारत ही आक्रामक मुद्रा लिए हुए है? भारत सरकार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विश्व के हर देश के साथ अच्छे और सौहार्दपूर्ण संबंध चाहती है।

मोबाइल के लिए सुसाइड करने थाने पहुंचा पीड़ित

पटना। पटना के शास्त्रीनगर थाने पर सोमवार की दोपहर एक पीड़ित मोबाइल के लिए सुसाइड करने पहुंचा। सात अक्टूबर 2024 को कुछ बदमाशों ने उनके साथ मारपीट कर तीन मोबाइल लेकर भाग गए थे। युवक ने पुलिस में शिकायत कराई। लेकिन, अब तक कोई एक्शन नहीं हुआ है। मोबाइल गुम होने के कुछ दिन बाद जॉब से भी निकाल दिया गया। इसके बाद से वह तनाव में है। पीड़ित का नाम शशिकांत पाठक है। उन्होंने बताया कि 7 अक्टूबर 2024 को अज्ञात बदमाशों ने मेरा 3 मोबाइल छीन लिया और भाग गए। इसकी गांधी मैदान थाने में उन्होंने लिखित शिकायत की थी। वहां से आवेदन की कॉपी शास्त्रीनगर थाने पर आई थी, इसके बाद शिकायत दर्ज की गई थी। पीड़ित का कहना है कि अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। फरियादी पाठक ने बताया कि मैंने एमबीए की पढ़ाई की है। प्रतिष्ठान में काम कर रहा था, लेकिन कंपनी से वहां से हटा दिया गया। उसके खिलाफ श्रम आयुक्त के पास शिकायत दर्ज करा दी है। इसके बाद से जब भी कहीं नौकरी लगती है, तब पिछली कंपनी के मालिक नौकरी से हटवा देते हैं। नौकरी के अभाव में स्कूल से बच्चों को निकालने का अल्टीमेटम मिल गया है। पिछले एक सप्ताह से घर में भी तंगी है। कई घंटे तक हाईवोल्टेज ड्रामे के बाद पीड़ित को थानेदार ने आश्वासन दिया है। इसके बाद फरियादी को शास्त्री नगर थाना से वापस लौटा दिया गया। केस के पदाधिकारी ने बताया कि ऑपरेशन मुस्कान के तहत इनका मोबाइल बहुत जल्द बरामद कर के लौटाने का प्रयास किया जाएगा। इस दिशा में छानबीन चल रही है।

एपीडा का कारनामा, समुद्र के रास्ते सोलापुर के अनार पहुंचे ऑस्ट्रेलिया

5.7 टन अनार 1,900 बक्से में पैक कर भेजे गए

नई दिल्ली। भारतीय कृषि और प्रसंस्करण खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) ने पहली बार समुद्र के रास्ते ऑस्ट्रेलिया को अनार भेजा है। अनार की यह खेप एग्रोस्टार और के बी एक्सपोर्ट्स के साथ मिलकर भेजी गई है। यह भारतीय ताजा उपज के लिहाज से बाजार पहुंच का विस्तार करने में एक बड़ी कामयाबी है। एपीईडीए के मुताबिक फरवरी 2024 में ऑस्ट्रेलिया को अनार के निर्यात के लिए एक कार्ययोजना और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) पर हस्ताक्षर हुए। एपीईडीए और राष्ट्रीय पौध संरक्षण संगठन (एनपीपीओ) द्वारा सफल बाजार पहुंच सुविधा के बाद जुलाई 2024 में पहली हवाई खेप भेजी गई। हवाई खेप ने ऑस्ट्रेलियाई बाजार की मांग का आकलन करने में मदद की। जिसके कारण लागत दक्षता को अनुकूलित करने के लिए समुद्री खेप भेजी गई। पहली समुद्री माल ढुलाई शिपमेंट 6 दिसंबर 2024 को भारत से रवाना हुई और 13 जनवरी 2025 को सिडनी पहुंची। इसमें महाराष्ट्र के सोलापुर क्षेत्र से प्राप्त 5.7 टन अनार थे, जिन्हें 1,900 बक्से में पैक किया गया था। प्रत्येक में 3 किलोग्राम प्रीमियम फल थे। भगवा किस्म के 1,872 बक्से (6.56 टन) ले जाने वाला एक और वाणिज्यिक समुद्री शिपमेंट 6 जनवरी, 2025 को ब्रिस्बेन पहुंचा। एपीडा का कहना है कि समुद्र के रास्ते थोक शिपमेंट के उपयोग ने प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण सुनिश्चित किया। इससे किसानों को लाभ हुआ और स्थायी व्यापार के मौके पैदा हुए। अनार का यह सफल निर्यात न केवल वैश्विक गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में भारत की क्षमताओं को रेखांकित करता है, बल्कि नए राजस्व स्त्रोतों के खुलने से भारतीय किसानों को महत्वपूर्ण बढ़ावा भी प्रदान करता है। शिपमेंट का समय ऑस्ट्रेलिया के गैर-उत्पादन सीजन के साथ रणनीतिक रूप से संरेखित किया गया था। जिससे भारतीय निर्यातकों के लिए बाजार के अवसरों को अधिकतम किया जा सके। एपीडा अध्यक्ष अभिषेक देव ने कहा कि अनार निर्यात में 20 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, जो इस सेगमेंट की अपार संभावनाओं को दिखाता है।

जायजा जी.आई.एस. में निगम के सौंदर्यीकरण कार्यों ने लिया आकार

खूबसूरत पेंटिंग, कलाकृतियों, चैराहों, सेंट्रल वर्ज में पेड़-पौधों और बहुरंगी फव्वरों ने शहर को बनाया और खूबसूरत

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने जी.आई.एस के तहत नगर निगम द्वारा

शहर में सौंदर्यीकरण सहित किए जा रहे सम्पूर्ण कार्यों का लिया जायजा

कार्यों को उच्च मानक गुणवत्ता के साथ शीघ्रता से पूर्ण करने के दिए निर्देश

भोपाल। नगर निगम भोपाल द्वारा ग्लोबल इनवेस्टर समिट के लिए राजधानी भोपाल को सजाने, संवारने के कार्यों ने अब आकार लेना शुरू कर दिया है और चैराहों, सेंट्रल वर्ज, साइड वर्ज पर आकर्षक पेड़-पौधे व रंग-बिरंगे फव्वारे तथा दीवारों@ विशेष रूप से तैयार कृतियों पर राष्ट्रीय ध्वज रूपी पेंटिंग सहित विभिन्न प्रकार की पेंटिंग्स और कलाकारों द्वारा उकेरी गई कलाकृतियां बर्बस ही नागरिकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों का सोमवार को निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने करीब चार घंटे तक एयरपोर्ट से बोट क्लब तक, न्यू मार्केट से भदभदा, नेहरू नगर एवं अन्य क्षेत्रों में अवलोकन किया और सभी कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान लोक निर्माण विभाग, ट्रॉफिक पुलिस व नगर निगम के अधिकारी मौजूद थे। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने सोमवार को राजा भोज विमानतल, स्टेट हैंगर, गांधी नगर, बैरागढ़, लालघाटी, व्ही.आई.पी रोड, लेकव्यू पाईंट, सेल्फी पाईंट, गौहर महल, इकबाल मैदान, कमला पार्क, श्यामला हिल्स, बोट क्लब, भारत माता चैराहा, पी.एण्ड.टी चैराहा रोड, भदभदा चैराहा एवं नेहरू नगर मार्ग, न्यू मार्केट, टी.टी. नगर दशहरा मैदान, अटल पथ आदि क्षेत्रों में निगम द्वारा किए जा रहे सौंदर्यीकरण एवं संधारण कार्यों का लगभग चार घंटे तक भ्रमण कर अवलोकन किया और अलग-अलग स्थलों पर किए जा रहे कार्यों की पृथक-पृथक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त श्री नारायन ने एयरपोर्ट रोड में निगम द्वारा मार्ग के दोनों ओर पेड़, पौधे लगाकर हरियालीयुक्त बनाने और मार्ग के दोनों ओर विशेष आकृतियां बनाकर तिरंगा रूपी पेंटिंग का निरीक्षण किया और उसकी सराहना की तथा शेष कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने गांधी नगर-एयरपोर्ट ब्रिज के नीचे एवं सामने आकर्षक पेंटिंग और फव्वारे का अवलोकन करते हुए पेंटिंग की सराहना की और अन्य स्थानों पर आकर्षक पेंटिंग व सौंदर्यीकरण तथा फव्वारे आदि के कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने एयरपोर्ट रोड पर गमलों को व्यवस्थित करने, एयरपोर्ट के समीप पौधरोपण स्थल पर बेहतर ढंग से संधारण एवं सौंदर्यीकरण कराने, एयरपोर्ट मुख्य मार्ग पर टूटी दुकानों के सामने पेटिंग आदि कराकर सौंदर्यीकरण कार्य कराने के निर्देश दिए।

भगत की कोठी ब्लॉक के कारण जोधपुर की 15 ट्रेनें आंशिक रद्द रहेगी

डेगाना,मेड़ता रोड,पीपाड़ रोड,बनाड़, राई का बाग, लूनी व बासनी रेलवे स्टेशनों पर होगी टर्मिनेट

♦भारत टाइम्स♦

जोधपुर। भगत की कोठी रेलवे स्टेशन यार्ड में तकनीकी कार्य हेतु लिए जा रहे नॉन इंटरलॉकिंग ब्लॉक के कारण जोधपुर पहुंचने वाली पंद्रह ट्रेनें एक - दो ट्रिप के लिए आंशिक रद्द रहेगी। जोधपुर डीआरएम पंकज कुमार सिंह के अनुसार जोधपुर के भगत की कोठी स्टेशन यार्ड में तकनीकी कार्य हेतु 22 से 25 फरवरी तक लिए जा रहे ब्लॉक की वजह से विभिन्न स्टेशनों से आने वाली पंद्रह ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द व लूनी, बासनी, डेगाना, मेड़ता रोड,पीपाड़ रोड, बनाड़ और राई का बाग रेलवे स्टेशनों पर एक-दो ट्रिप के लिए टर्मिनेट किया जाएगा।

पहले से आंशिक रद्द है दो ट्रेनें

तकनीकी कार्य प्रगति पर होने के कारण ट्रेन 14821, जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस पहले से ही 21 फरवरी तथा ट्रेन 54813, जोधपुर - बाड़मेर डेमो 22 फरवरी तक जोधपुर से भगत की कोठी रेलवे स्टेशनों के मध्य आंशिक रद्द है। सीनियर डीसीएम विकास खेड़ा ने रेल यात्रियों से अपनी ट्रेन की स्थिति रेलसेवा 139 अथवा रेलवे वेबसाइट से भी पता करने का आग्रह किया है।

ट्रेनें जो आंशिक रूप से रहेगी रद्द

- ट्रेन 22482,दिल्ली सराय रोहिल्ला-जोधपुर सुपरफास्ट जो 23 फरवरी को दिल्ली सराय रोहिल्ला रवान होगी वह राई का बाग पैलेस रेलवे स्टेशन तक ही संचालित होगी अर्थात ट्रेन राई का बाग से जोधपुर स्टेशनों के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।
- ट्रेन 22421,दिल्ली सराय रोहिल्ला-जोधपुर सालासर एक्सप्रेस जो 23 व 24 फरवरी को दिल्ली सराय रोहिल्ला से रवाना होगी वह डेगाना रेलवे स्टेशन तक ही संचालित होगी तथा वापसी में ट्रेन 22422,जोधपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला सालासर एक्सप्रेस 24 व 25 फरवरी को जोधपुर की जगह डेगाना से प्रस्थान करेगी अर्थात ट्रेन डेगाना से जोधपुर स्टेशनों के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।
- ट्रेन 14863,वाराणसी सिटी-जोधपुर मरुधर एक्सप्रेस जो 23 फरवरी को वाराणसी सिटी से प्रस्थान करेगी वह राई का बाग रेलवे स्टेशन तक संचालित होगी व राई का बाग से जोधपुर स्टेशनों के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।
- ट्रेन 14814,भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस जो 23 फरवरी को भोपाल से प्रस्थान करेगी वह बनाड़ रेलवे स्टेशन तक संचालित होगी व ट्रेन बनाड़ से जोधपुर स्टेशनों के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।
- ट्रेन 14824,रेवाड़ी-जोधपुर एक्सप्रेस जो 23 फरवरी को रेवाड़ी से प्रस्थान करेगी वह मेड़ता रोड स्टेशन तक संचालित होगी व मेड़ता रोड से जोधपुर स्टेशनों के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।
- ट्रेन 14892,हिसार-जोधपुर एक्सप्रेस जो 24 फरवरी को हिसार से प्रस्थान करेगी वह पीपाड़ रोड स्टेशन तक संचालित होगी व ट्रेन पीपाड़ रोड से जोधपुर स्टेशनों के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।
- ट्रेन 14722,अबोहर-जोधपुर एक्सप्रेस जो 23 फरवरी को अबोहर से प्रस्थान करेगी वह मेड़ता रोड स्टेशन तक संचालित होगी। वापसी में ट्रेन14721,जोधपुर-बठिंडा एक्सप्रेस 24 फरवरी को जोधपुर की जगह मेड़ता रोड से संचालित होगी व ट्रेन जोधपुर से मेड़ता रोड स्टेशनों के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।
- ट्रेन 11090,पुणे-भगत की कोठी एक्सप्रेस जो 23 फरवरी को पुणे से प्रस्थान करेगी वह बासनी रेलवे स्टेशन तक संचालित होगी व ट्रेन बासनी से भगत की कोठी स्टेशनों के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।
- ट्रेन 12480,बांद्रा टर्मिनस-जोधपुर सूर्यनगरी सुपरफास्ट जो 23 फरवरी को बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी वह बासनी रेलवे स्टेशन तक ही संचालित होगी व ट्रेन बासनी से जोधपुर स्टेशनों के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।
- ट्रेन 12465,इंदौर-जोधपुर रणथंबोर सुपरफास्ट जो 23 फरवरी को इंदौर से प्रस्थान करेगी वह राई का बाग पैलेस स्टेशन तक ही संचालित होगी व ट्रेन राई का बाग से जोधपुर स्टेशनों के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।
- ट्रेन 20486,साबरमती-जोधपुर सुपरफास्ट जो 23 व 24 फरवरी को साबरमती से प्रस्थान करेगी वह लूनी स्टेशन तक ही संचालित होगी व ट्रेन लूनी से जोधपुर स्टेशनों के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।

समय से कीमती इस दौर में कोई चीज नहीं :- विधायक मेघवाल

♦भारत टाइम्स♦

चोहटन/ डूंगर राठी। चौहटन विधानसभा के कापराऊ स्थित पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कापराऊ में वार्षिकोत्सव व आशीर्वाद सम्मान समारोह का आयोजन मुख्य अतिथि विधायक आदुराम मेघवाल , रुपाराम सारण प्रधान , चौहटन उपखंड अधिकारी कुसुमलता चौहान , अमराराम उइएड चौहटन , श्री किशनाराम सेंवर कापराऊ के सरपंच प्रतिनिधि खेमाराम सेंवर भाजपा मंडल अध्यक्ष जेठमाल सिंह के सानिध्य में सोमवार को आयोजित किया गया इस कक्षा 12वीं की विदाई समारोह तथा वार्षिक को उत्सव के अवसर पर विधायक मेघवाल ने कहा कि विद्यार्थी समय की ताकत को पहचान कर आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों में होगी क्योंकि

समय से बड़ी इस दौर में कोई कीमती वस्तु नहीं है विद्यालय के संस्था प्रधान खुमाराम सेंवर ने विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया व विद्यालय में पीएमश्री योजना के अंतर्गत चल रही योजनाओं व कार्यशैली को विस्तार से बताया समारोह की अध्यक्षता करते हुए उपखंड अधिकारी कुसुमलता चौहान नें कहा की विद्यार्थी अपने लक्ष्य तय कर आगे बढ़ने हेतु कड़ी मेहनत करें,परिणाम हमेशा सकारात्मक रहेगा क चौहटन प्रधान रुपाराम सारण ने कहा कि विद्यार्थी अगर मन में ठान ले तो कुछ भी असंभव नहीं है । केन्द्रीय विद्यालय जालिपा के प्राचार्य किशनाराम सेंवर ने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के गुर बताये व कहा कि किसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए की गयी जिद बहुत अच्छी होती है चौहटन मुख्य खंड शिक्षा अधिकारी अमराराम लीलड ने कहा कि विद्यार्थी आज के दौर में मोबाइल नामक बीमारी से दूर रहकर शिक्षा की और अग्रसर रहे भाजपा चौहटन मंडल अध्यक्ष जेठमालसिंह ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में हमेशा स्वावलंबन , आत्मनिर्भरता व मेहनत का होना अति आवश्यक है वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुती दी गयी क कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य दूदाराम सेंवर ने धन्यवाद ज्ञापित किया क इस दौरान समस्त ग्रामीण , विद्यालय परिवार व विद्यार्थी मौजूद रहे ।

सरकार बाबा भृर्तहरि कॉरिडोर बनाये जाने की करे घोषणा- जूली

सरकार बजट भाषण में शामिल कर विकास में करे सहयोग

♦भारत टाइम्स♦

अलवर/ राजेश गुप्ता। राजस्थान विधान सभा के नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अपने विधान सभा क्षेत्र अलवर ग्रामीण के मालाखेडा में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र (आईटीआई) खोले जाने तथा बहादरपुर उप तहसील को तहसील में क्रमोन्नत किये जाने के साथ ही हल्दीना को उप तहसील घोषित किये जाने की मांग की है। इसके पंचायत समिति उमरैण के चान्दोली प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को सामुदायिक स्वास्थ्य के क्रमोन्नत किये तथा ग्राम पंचायत अकबरपुर को नगरपालिका घोषित किये जाने की मांग की है। प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने अलवर जिले के प्रमुख ऐतिहासिक धार्मिक उपासना स्थलों की महत्ता को देखते हुए

मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर नाथ सम्प्रदाय के विश्वविख्यात धार्मिक आस्था के केन्द्र बाबा भृर्तहरि कॉरिडोर बनाये जाने की घोषणा किये जाने के साथ ही पंचायत समिति उमरैण के ग्राम धोलीधूब स्थित बाबा लाल दासजी मन्दिर का जीर्णोद्धार (पुनर्निर्माण) तथा ग्राम ढहलावास में स्थित गरबा जी महाराज मन्दिर का जीर्णोद्धार (पुनर्निर्माण) करवाये जाने की मांग की है। प्रतिपक्ष के नेता जूली ने बताया कि उन्होंने लोक देवता महाराजा भृर्तहरि के समाधि स्थल पर आने वाले श्रृद्धालुओं और पर्यटकों को चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने की दृष्टि से पंचायत समिति मालाखेडा की ग्राम पंचायत माधोगढ के ग्राम इन्दोक में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत किये जाने के लिये मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। जूली ने बताया कि उन्होंने इस बजट घोषणा में शामिल किये जाने हेतु सावडी से महुआ खुर्द और चांदोली से पड़ीसल सड़कों के दोहरीकरण के साथ ही अलवर ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र में 100 किलो मीटर सडकों के दौहरीकरण एवं 25 किलोमीटर मिसिंग लिंक सड़कों के निर्माण की स्वीकृति की भी मांग की है।

भीम विधायक ने साइकिल वितरण कार्यक्रम में लिया भाग

♦भारत टाइम्स♦

देवगढ़ विद्याधर वैष्णव। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बग्गड़ में कक्षा 9 में अध्यनरत सभी छात्राओं के लिए राज्य सरकार द्वारा निशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम में भीम विधायक हरि सिंह रावत ने भाग लिया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भीम विधायक हरि सिंह रावत ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 58 लाख के 4कक्षा कक्ष , राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय झुतरा में 24 लाख के दो कक्षा कक्ष ,राजकीय प्राथमिक विद्यालय आड़ावाला में 28 लाख के कक्षा कक्ष , राजकीय स्वास्थ्य केंद्र बग्गड़ में 35 लाख की बाउंड्री वॉल, टेलड़ा में आंगनवाड़ी कक्ष । ओर हुनमान मंदिर के लिए 8 लाख की घोषणा की। कार्यक्रम के मौके पर मुख्य खंड शिक्षा अधिकारी कान सिंह चौहान , ब्लॉक कॉर्डिनेटर नारायण सिंह काछबली , किशोरसिंह बग्गड़, सुमेरसिंह झुतरा, भंवर सिंह गोविंद सिंह ,पुष्पेंद्र सिंह बग्गड़ , रणजीत सिंह ,मिश्रीलाल , महावीर तिलक राजेन्द्रसिंह,हरिद्वारी मीणा ,भवरसिह ,भगवाना राम आदि उपस्थित रहे ।

महाकुंभ से लौटे यात्रियों का अभिनंदन

♦भारत टाइम्स♦

बोरुन्दा/सोहनलाल वैष्णव। बोरुंदा कस्बे में महाकुंभ व अन्य धार्मिक स्थलों की यात्रा कर के लौटे श्रद्धालुओं के जत्थे का गाजे-बाजों के साथ स्वागत किया गया। धर्मेंद्र सुथार ने बताया कि राधाकृष्ण कॉलोनी में श्यामलाल, दुगारांम सहित अन्य यात्रियों का शॉल, माला व साफा पहना स्वागत किया गया। इस मौके श्यामलाल सुथार, हनुमानराम जांगिड़, पप्पूराम, सोमाराम, रामदयाल, धर्मेंद्र, तेजाराम, रामावतार, विकास डोसी, रुपाराम कासनियां, मुकेश जाट, रामदेव जाखड़ व अरुण सैन सहित कई महिलाएं उपस्थित रहीं।

स्वर्णकार समाज विकास व शोध संस्थान पीपाड़ के सोनी अध्यक्ष नियुक्त

♦भारत टाइम्स♦

बोरुंदा/सोहनलाल वैष्णव। निकटवर्ती खवासपुरा गांव के निवासी कमलकिशोर सोनी को अखिल भारतीय स्वर्णकार समाज विकास व शोध संस्थान की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए पीपाड़ शहर का अध्यक्ष मनोनीत किया। अखिल भारतीय स्वर्णकार समाज विकास व शोध संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र कुमार व प्रदेशाध्यक्ष तुलसीराम सोनी व महामंत्री दिनेश सोनी ने खवासपुरा निवासी कमलकिशोर सोनी को पीपाड़ शहर का ब्लॉक युवा अध्यक्ष मनोनीत किया। इस दौरान संस्थान ने समाज के टीम वर्क को मजबूत करने के लिए यह निर्णय लिया। इसके साथ ही राकेश मौसूण पीपाड़ को उपाध्यक्ष, मनोज सहदेव को महामंत्री, चेतन अग्रोया को कोषाध्यक्ष, सुनील मौसूण को महामंत्री, धीरज बदलिया को मंत्री, राजेश कड़ेल को मंत्री, रमेश अग्रोया मादलिया को संगठन मंत्री और रामगोपाल बदलियां को प्रवक्ता नियुक्त किया गया। श्यामलाल सोनी, बाबूलाल सोनी, गणेश मालपानी, महावीर, जेठाराम जाखड़, महादेव जाखड़, पारस सियाग, हरीश जाखड़, श्रवण सोनी व लक्ष्मण सिंह भाटी तथा राजू जाखड़ सहित कई ग्रामीणों ने सोनी को बधाई देते हुए खुशी जताई।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर का हुआ आयोजन

अलवर/ राजेश गुप्ता। महावीर इन्टरनेशनल अलवर केन्द्र द्वारा स्व. श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा की स्मृति में हरसौरा, बस स्टैण्ड, बानसूर में लगाये निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर में मोतियाबिन्द के 70 मरीजो को चिन्हित किये गये । मोतियाबिन्द के चिन्हित मरीजों में से 35 मरीजों को लैंस प्रत्यारोपण के ऑपरेशन आचार्य हस्ति चिकित्सालय, 1 शान्ति कुंज, भवानी तोप सर्किल, मीनल होटल के पास, अलवर में डॉ. राकेश गुप्ता (नेत्र रोग विशेषज्ञ) निःशुल्क किये गये। इस शिविर का समापन जिला कोषाधिकारी श्रीमती रितू जैन द्वारा मरीजो को फल, दवाईया व चश्मे प्रदान कर किया जायेगा। यह जानकारी केन्द्र सचिव वीर सूर्यकान्त भारद्वाज द्वारा दी गई।

22 फरवरी को होगा 'माय हॉस्पिटल, क्लीन हॉस्पिटल' अभियान का आयोजन

सभी योजनाओं में एक भी पात्र व्यक्ति न रहे वंचित :कलक्टर

कलक्टर ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों को दिए दिशा निर्देश

♦भारत टाइम्स♦

राजसमंद विद्याधर वैष्णव। केंद्र एवं राज्य सरकार की प्रत्येक योजना का जिले में प्रभावी क्रियान्वयन कर हर पात्र व्यक्ति को समुचित ढंग से लाभान्वित किया जाए, कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति योजनाओं से वंचित न रहे, अधिकारी फील्ड में यह देखें कि विभागीय योजनाओं का कितना क्रियान्वयन हो पा रहा है... ये निर्देश जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा ने सोमवार को आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए।जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा ने सोमवार को चिकित्सा, पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास, राजीविका, शिक्षा, सहकारिता, समाज कल्याण विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित कर विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों एवं बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान जिला परिषद सीईओ बृजमोहन बैरवा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।बैठक में मुख्य रूप से अपार आईडी, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, आयुष्मान वय वंदना योजना, शाला स्वास्थ्य, मंगला पशु बीमा योजना, स्वच्छता सर्वे, विशेष सफाई अभियान, राइजिंग राजस्थान, मेगा क्रेडिट कैंप राजीविका, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण योजना, किसान रजिस्ट्री,

पेंशन सत्यापन सहित अन्य योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा हुई। बैठक में अपार आईडी की समीक्षा के दौरान मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मुकुट बिहारी शर्मा ने जानकारी दी कि सरकारी विद्यालयों की प्रगति 78.71 प्रतिशत और निजी विद्यालयों की प्रगति 58.05 प्रतिशत रही। इस पर कलक्टर ने आधार संबंधी समस्याओं को दूर कर सभी बच्चों को अपार से लाभान्वित करने के निर्देश दिए।शाला स्वास्थ्य की समीक्षा के दौरान चिकित्सा एवं शिक्षा विभाग द्वारा 71 में से 45 बच्चों को उदयपुर रेफर किए जाने की जानकारी पर कलेक्टर ने कहा कि बच्चों की बीमारियों का वर्गीकरण किया जाए और आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत पंजीकृत निजी चिकित्सालयों में भी निशुल्क उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि बच्चों के इलाज के दौरान स्थानीय विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपस्थिति रहे और परिजनों से समन्वय बनाकर उपचार किया जाए।पशुपालन विभाग की समीक्षा में मंगल पशु बीमा योजना के तहत 34,973 पशुओं का बीमा किया गया, जिसकी प्रगति 117 प्रतिशत रही। पंचायती राज विभाग से मनरेगा, पूर्ण कार्य, प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण एवं मॉडल विलेज की प्रगति पर चर्चा हुई। ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक शौचालयों की सफाई एवं मरम्मत सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।अस्पतालों में स्वच्छता को लेकर विशेष अभियान रमाय हॉस्पिटल, क्लीन हॉस्पिटलर 22 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। इसके तहत समस्त चिकित्सा संस्थानों में प्रभावी रूप से सफाई अभियान चलाया जाएगा। नगर परिषद राजसमंद एवं नगर पालिका नाथद्वारा के आयुक्तों को निर्देश दिए गए कि कचरा पात्रों का प्रभावी वितरण करें और कचरा फैलाने वालों पर चालान की कार्रवाई करें। नगर परिषद आयुक्त ब्रजेश राय ने बताया कि अब तक 650 डस्टबिन वितरित किए जा चुके हैं और डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण को और बेहतर बनाया गया है। सार्वजनिक शौचालयों की सफाई एवं रखरखाव की कार्रवाई लगातार जारी है। सीईओ बृजमोहन बैरवा ने बताया कि ग्राम पंचायतों में लिगसी वेस्ट हटाने का अभियान पूर्ण किया जाकर सूखा एवं गीला कचरा अलग-अलग कर संग्रहित किया गया है। इसके अलावा, 1 मार्च को प्रोजेक्ट सक्षम सखी के द्वितीय संस्करण के तहत आयोजित होने वाले राजीविका के होली मैले एवं मेगा क्रेडिट कैंप को लेकर तैयारियों की समीक्षा की गई। गोपाल क्रेडिट योजना का लक्ष्य शीघ्र पूरा कर अधिकतम लाभार्थियों को इसका लाभ पहुंचाने पर चर्चा की गई।

आवश्यकता

भारत टाइम्स न्यूज को रिपोर्ट्स ओर अनुभवी मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की आवश्यकता है। यदि आप हमसे जुड़ना चाहते है तो अपना बॉयोडाटा हमे ईमेल करे।

Bharattimesnews01@gmail.com

Whatsapp

9509745147

9799911545

पौधारोपण एवं वितरण कर हर्षोल्लास से मनाया गया वन राज्य मंत्री संजय शर्मा का जन्म दिवस

♦भारत टाइम्स♦

अलवर/राजेश गुप्ता। रविवार एवं सोमवार को संजय शर्मा, वन राज्य मंत्री, राजस्थान सरकार के जन्म दिवस ह्न के अवसर पर अर्निमा सोशल वेलफेयर फाण्डेशन, अलवर के द्वारा वृहद स्तर पर वन विभाग अलवर के उपवन संरक्षक राजेन्द्र हुड्डा के मार्गदर्शन में बडी संख्या में वन विभाग के कर्मचारियोंके द्वारा राजकीय नवीन उच्च माध्यमिक विद्यालय, भगत सिंह चौराहा के पास अलवर के खेल मैदान में विभिन्न प्रकार के क्रमशः मोरश्री, बेलपत्र, नींबू, अमरूद, जामुन, कदम के 600 पौधे (8 से 10 फिट उचाई के) आगरा से अलवर के व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के सहयोग से मंगाया जाकर रोपित किये गये एवं

काफी संख्या में पौधो को अलवर की विभिन्न आवासीय कॉलोनियों के निवासियों को निःशुल्क वितरित किया गया। विशेष रूप से इस अवसर पर वन मंत्री जी के सहयोग से सभी पौधो को ट्रीगार्ड लगाकर सुरक्षा प्रदान की गई एवं स्थानीय निवासियों को वितरित किये गये पौधों के साथ भी निःशुल्क ट्रीगार्ड प्रदान किये गये। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के विभिन्न मण्डलों के काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन अति हर्षोल्लास से किया गया।विशेष रूप से इस अवसर पर संस्था के राष्ट्रीय संयोजक सुधीर माथुर, सचिव क्षितिज माथुर, नवीन सैन, सतीश मोदी, आशीष गुप्ता, भैरों सिंह सहित संस्था के सदस्यगण मौजूद रहे।

बीस गाँवों के, तीन सौ से अधिक युवाओ ने लिया भाग

चौहान शिक्षण संस्थान द्वारा भीम में मोटिवेशनल सेमिनार आयोजित, आरएएस अधिकारियो ने दिए सफलता के सूत्र

- नशा एक ऐसी बुराई है जो हजारो जिंदगियों को करती है तबाह

♦भारत टाइम्स♦

भीम विद्याधर वैष्णव। चौहान शिक्षण संस्थान द्वारा भीम में मोटिवेशनल सेमिनार और प्रतिभावान छात्र छात्राओ के लिए आनंद वाटिका में कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसीईओ उदयपुर कृष्णपाल सिंह, राजकीय लेखा विभाग एमएलएसयु उदयपुर के दलपत सिंह राठौर, आरएएस राजेन्द्र सिंह, राजस्थान यूथ आइकॉन पेडवुमन भावना पालीवाल, रीटा. अति. पुलिस अधीक्षक चंद्र सिंह , डॉ गिरिराज सिंह , भानु प्रताप सिंह, नीट एक्सपर्ट डॉ पवन मेंहरिया, आई आई टी एक्सपर्ट अविनाश सिंह, सब फाउंडेशन पवन रावत रहे । कार्यक्रम

कार्यक्रम में स्वच्छ राजसमन्द के लिए युवाओ ने ली शपथ

- आनंद वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता पेडवुमन भावना पालीवाल ने राजसमन्द जिला कलेक्टर बाल मुकुंद असावा के निर्देशन में चल रहे स्वच्छ राजसमन्द अभियान के तहत बीस गाँवों के तीन सौ से अधिक युवाओ को स्वच्छता शपथ दिलाकर उन्हें स्वच्छता के प्रति अपने कर्तव्यों के लिए प्रेरित किया ।

में एसीईओ उदयपुर कृष्णपाल सिंह द्वारा बताया की कैसे अपने वातावरण को सकारात्मक बनाया जाए। जिससे बेहतर सोच बन सके। एक अच्छे वातावरण से ही अच्छे भविष्य का निर्माण होता है। सभी विद्यार्थियों को सरकारी भर्तियों में चयन के लिए रणनीतिओं से अवगत कराया गया। जिससे उनका समय व पैसा दोनों बच सके। अति. पुलिस अधीक्षक चंद्र सिंह ने युवाओं को नशे से दूर रखने और राष्ट्र-निर्माण गतिविधियों की दिशा में इसकी भूमिका को भी रेखांकित किया। नशा एक ऐसी बुराई है जो जिंदगियों को तबाह कर सकती है, समाज और देश को बहुत नुकसान पहुंचा सकती है। आरएएस राजेन्द्र सिंह ने युवाओ को प्रेरित करने के लिए अपने अनुभवों और ज्ञान को भी साझा किया। पेडवुमन पालीवाल ने विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और कहा कि देश की प्रगति के लिए महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा एवं सशक्तीकरण जरूरी इस अवसर पर परीक्षा के अलावा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने के तरीकों पर भी चर्चा की गई। इसके अलावा, उन्होंने छात्रों को इंजीनियरिंग के बाद के कैरियर विकल्पों और प्रतियोगी परीक्षाओं में टॉपर बनने के लिए आवश्यक कौशलों पर भी जानकारी दिया । आयोजित समारोह में बालातो की गवार,कालादेह , अजीतगढ़, लालपूरा, भादसी, डुंगाजी का गांव, थानेटा, कुकरखेड़ा , बरार, कुशलपुरा, हामेला की वेर कुंडली आदि ने इसे सफल बनाने में सहयोग किया ।

प्रतिभाओ का हुआ सम्मान

गत बोर्ड परीक्षाओं में अच्छे लाने वाले लोकेश सिंह, सुमन कुमारी, रीना कुमारी, अंकित ग्वारिया, अल्पेश ग्वारिया, गोविंद कुमार गुर्जर,वर्षा कुमारी ,खुशबू प्रजापत,डिंपल कुमारी, माया ,वर्षा ,राजेश्वरी कुमारी, निरमा कुमारी ,पूजा ,दीपिका कुमारी, संजीत छिप्पा, ऐश्वर्या ,उषा कुमारी, क जयवीर सिंह ,पवन सिंह, इशिका कुमारी ,दुर्गेश ,दिव्या नगर, खुशवंत कुमार, रणजीत सिंह ,प्रीति चौहान ,निकिता ,मनीष सेन ,इशिका ,दुर्गेश , जयंत चौहान ,अभिवर्धन ,प्रिया, नव्या,विद्या चौहान, चंद्रा कुमारी, चाहत मेवाड़ा ,पूजा, अजय सिंह, विद्या चौहान, टीना, कोमल, तारा, रणजीत सिंह, पुष्पेंद्र ,पूजा ,पूजा रावत, वर्षा मलावत को अतिथियों ने प्रतिक चिन्ह देकर सम्मानीय किया ।

फोन टैपिंग पर सियासत जारी, बजट के दिन हंगामे के आसार

टीकाराम जूली ने कहा दो टूक नहीं चलने देंगे सदन

♦भारत टाइम्स♦

(हरिप्रसाद शर्मा) **जयपुर/राजस्थान।** विधानसभा सत्र में चल रहे गतिरोध को दूर करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई गई, जिसमें सरकार और विपक्ष के प्रमुख नेता शामिल हुए। बैठक में सरकार की ओर से मंत्री जोगाराम पटेल और विपक्ष की ओर से नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित अन्य नेता उपस्थित रहे। बैठक के बाद मंत्री जोगाराम पटेल ने दावा किया कि गतिरोध समाप्त हो चुका है और सरकार चाहती है कि सदन सुचारू रूप से चले। उन्होंने कहा, ₹सरकार विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार है। 19 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा, जिसके बाद विपक्ष अपने सवाल रख सकता है। सरकार उन सवालों का जवाब देगी और सदन सामान्य रूप से चलेगा। इस पर दोनों पक्षों में सहमति बन चुकी है। बताया जाता है कि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस दावे को खारिज

- 19 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा

करते हुए कहा कि गतिरोध अब भी बना हुआ है। उन्होंने कहा, ₹जब तक सरकार फोन टैपिंग के मुद्दे पर जवाब नहीं देती, तब तक सदन नहीं चलने दिया जाएगा। यह आरोप विपक्ष ने नहीं, बल्कि सरकार के ही एक कैबिनेट मंत्री ने लगाए थे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने भी इस मुद्दे पर कैबिनेट मंत्री को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था, जिसका जवाब मंत्री दे चुके हैं।₹ टीकाराम जूली ने आगे कहा कि यदि विधानसभा अध्यक्ष यह स्पष्ट करते हैं कि 20 फरवरी को विपक्ष के सवालों का जवाब दिया जाएगा, तो सदन सुचारू रूप से चल सकता है। अब देखना होगा कि सरकार और विपक्ष के बीच जारी इस टकराव का समाधान कैसे निकलता है और क्या वाकई सदन सुचारू रूप से चल पाता है या नहीं।

पॉन ब्रोकर एसोसिएशन तिरूवल्लूर वेस्ट ने प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानंद महाराज को मोबाइल फोन भेंट किया

♦भारत टाइम्स♦

पेरीयपालीयम। तामीलनाडु पॉन ब्रोकर एवम ज्वैलर्स ऐसोसिएशन तिरुवल्लूर वेस्ट कि? तरफ सु तामीलनाडू पॉन ब्रोकर एवम ज्वैलर्स ऐसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द महाराज को तामीलनाडू पॉन ब्रोकर एवम ज्वैलर्स ऐसोसिएशन तिरुवल्लूर वेस्ट जिला अध्यक्ष सुरेश जैन, संघठन ?के जिला सचिव नेमीचन्द जाट, संघठन के जिला कोषाध्यक्ष एम. शान्तिलाल सीरवी एवं सतीशकुमार ने एक मोबाइल फोन भेंट किया। इसके लिए तामीलनाडू पॉन ब्रोकर एवम ज्वैलर्स ऐसोसिएशन तिरुवल्लूर वेस्ट जिला के सभी पदाधिकारियों वह सदस्यों को आभार वह हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य कि शुभ मंगलकामनाएं दी।

नई दिल्ली-अजमेर-नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस रेलसेवा का दौराई स्टेशन तक अस्थाई विस्तार

अजमेर। रेलवे द्वारा यात्रियो की सुविधा हेतु नई दिल्ली-अजमेर-नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस रेलसेवा का दौराई स्टेषन तक (छः माह के लिए) अस्थाई विस्तार किया जा रहा है उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार गाड़ी संख्या 12015, नई दिल्ली-दौराई शताब्दी एक्सप्रेस रेलसेवा दिनांक 18.02.25 से नई दिल्ली से प्रतिदिन 06.10 बजे रवाना होकर अजमेर स्टेशन पर 13.00 बजे आगमन व 13.10 बजे प्रस्थान कर 13.35 बजे दौराई पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 12016, दौराई-नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस रेलसेवा दिनांक 18.02.25 से दौराई से प्रतिदिन 15.15 बजे रवाना होकर अजमेर स्टेशन पर 15.40 बजे आगमन व 15.50 बजे प्रस्थान कर 22.30 बजे नई दिल्ली पहुँचेगी।

जोधपुर से होगी कांग्रेस मुक्त राजस्थान की शुरूआत: गहलोत

♦भारत टाइम्स♦

जोधपुर अरुण माथुर। प्रदेश की भाजपा सरकार में कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि पिछले उपचुनाव में सात में से पांच सीटें बीजेपी ने जीती है। आगामी निकाय चुनावों में भी बीजेपी अधिक से अधिक सीटें जीतेंगी। यह बात उन्होंने आज यहां एम्स अस्पताल के गेट नंबर सात के सामने भाजपा जोधपुर शहर जिला के नए कार्यालय के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल ने विधिवत रूप से कार्यभार ग्रहण किया। कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने नए जिलाध्यक्ष पालीवाल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पूर्व की कांग्रेस सरकार के समय अपराधों का ग्राफ इतना बढ़ गया था कि हमारे राजस्थान के लोगों का सर शर्म से

नीचा हो जाता था। देश में बेरोजगारी में राजस्थान दूसरे नंबर पर था, लेकिन जब से भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। राजस्थान नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। उसी के आधार पर पिछले उपचुनाव में सात में से पांच सीटे भाजपा ने जीतीं। उन्होंने कहा कि आगामी निकाय चुनाव में भी भाजपा अधिक से अधिक सीटें जीतेगी। उन्होंने नये जिलाध्यक्ष पालीवाल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कांग्रेस मुक्त राजस्थान की शुरूआत अभजोधपुर से होगी। इस मौके पर जिलाध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल ने अपने संबोधन में कहा कि वो सभी को साथ लेकर चलेंगे और पार्टी को मजबूत बनाने का काम करेंगे। सत्ता और संगठन के बीच तालमेल बढ़ाते हुए शहर के विकास को दिशा देने का प्रयास करेंगे। बता दे कि पूर्व में जिलाध्यक्ष कार्यालय सरदारपुरा में था जो अब नए जिलाध्यक्ष बनने के बाद एम्स रोड शिफ्ट हो गया है। इस मौके बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए और पालीवाल को कार्यभार ग्रहण करने की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर राज्य मंत्री केके विश्नोई, राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी, शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़, शहर विधायक अतुल भंसाली, नगर निगम दक्षिण की महापौर बनिता सेठ, पूर्व महापौर घनश्याम ओझा, भाजपा के दक्षिण जिलाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी, मेघराज लोहिया, रामचंद्र सिंह राजपुरोहित आदि मौजूद रहे।

हाईकोर्ट के नवनियुक्त न्यायाधीश मनीष शर्मा ने ली पद व गोपनीयता की शपथ

♦भारत टाइम्स♦

जोधपुर अरुण माथुर। राजस्थान हाईकोर्ट के नवनियुक्त न्यायाधीश मनीष शर्मा ने सोमवार को सुबह पद और गोपनीयता की शपथ ली। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर स्थित मुख्य पीठ में आयोजित मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव ने नए न्यायाधीश मनीष शर्मा को दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में सभी जस्टिस मौजूद रहे। वहीं जयपुर पीठ के जस्टिस वीसी के माध्यम से जुड़े। वकील कोटे से एडवोकेट मनीष शर्मा के हाईकोर्ट जज के नियुक्ति वारंट गत को शुक्रवार जारी हो गए थे। राष्ट्रपति भवन से वारंट जारी होने के बाद विधि मंत्रालय ने इसकी अधिसूचना जारी की और मनीष शर्मा ने न्यायाधीश पद की शपथ ली। इस नियुक्ति के बाद राजस्थान हाईकोर्ट

में न्यायाधीशों की कुल संख्या बढकर 34 हो गई है जबकि स्वीकृत पदों की संख्या पचास है। वहीं इस साल तीन जज रिटायर भी होने वाले हैं। इनमें मई में जस्टिस बीरेंद्र कुमार, सितंबर में जस्टिस नरेंद्र ढड्ढा और नवंबर में जस्टिस मनोज कुमार गर्ग रिटायर हो जाएंगे। इससे पहले पिछले महीने राजस्थान हाईकोर्ट को न्यायिक कोटे से तीन न्यायाधीश जस्टिस चंद्रशेखर शर्मा, जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर और जस्टिस चंद्रप्रकाश श्रीमाली मिले थे। तीनों 1992 बैच के न्यायिक अधिकारी हैं। अब एक और जज मिलने के बाद न्यायाधीशों की संख्या 34 हो गई लेकिन यह अभी भी स्वीकृत पदों के मुकाबले 16 कम हैं। हालांकि इस साल में वकील कोटे से राजस्थान हाईकोर्ट को कुछ नए जज और मिल सकते हैं।

ग्राम अरनिया में हरगोविंद रेगर के परिवार की जमीन हड़पने के मामले में सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर, सोपे ज्ञापन

♦भारत टाइम्स♦

यादराम वर्मा गंगापुर सिटी। गंगापुर के अरनिया गांव मे हरगोविंद रेगर की जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश, घर मे तोड़फोड़.... पीड़ित परिवार दहशत मे! प्रार्थी हरगोविंद पुत्र श्री रामचरण रेगर निवासी अरनिया ने पुलिस सदर थाना गंगापुर सिटी दिनांक 16 अगस्त 2024 को अनुसूचित जाति के खातेदारी भूमि पर अवैध कर्ज कब्जा करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया था 6 महीने बीत जाने के बावजूद भी अब तक पुलिस प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की कब्जा करने वाले रामप्रताप मीणा, बबलू मीणा अपने साथ विष्णु राजपूत एवं अन्य 20-25 लोगों को लाकर पीडित परिवार के खेत पर चल रहे निर्माण कार्य को बंद करने का प्रयास किया एवं दीवारें तोड़कर नव निर्माण को ध्वस्त कर दिया है खेत पर पड़े पलंग को तोड़ दिया! विष्णु राजपूत नाम का व्यक्ति मकान के सामने चक्कर लगाता रहता है जिससे प्रार्थी मे दहशत बनी हुई है! पीड़ित परिवार ने मुकदमा दर्ज करने के लिए दिया था लेकिन नहीं होने पर इस्तगासे के जरिए मुकदमा दर्ज कराया है !पीड़ित परिवार गंगापुर सिटी कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक गंगापुर, डिप्टी पुलिस गंगापुर सिटी को भी ज्ञापन देकर उक्त मामले को अवगत करा चुका है पीड़ित परिवार की खेत पर गेहूं की फसल को नष्ट कर दिया गया पीड़ित परिवार दहशत में है एवं प्रशासन से सुरक्षा मांगने की गुहार कर रहा है! इस मामले में पीड़ित परिवार की पुलिस प्रशासन कोई मदद नहीं कर रहा है उल्टा पीड़ित परिवार के घर में रात को चार-चार बजे आकर परिवार के लोगों को ले जाकर बंदी बनाया जा रहा है महिलाओं से घर मे गाली गलौज की जा रही है एवं परिवार के व्यक्तियों को बंद करके उन पर जोर जुल्म किया जा रहा है पीड़ित परिवार अनुसूचित जाति रेगर समाज का व्यक्ति है प्रशासन द्वारा इस परिवार को किसी प्रकार का सहयोग नहीं मिल रहा है परिवार दहशत में है एवं गांव से निकलने की स्थिति में है ऐसे में प्रशासन को इस परिवार की मदद करनी चाहिए एवं उचित न्याय दिलाना चाहिए।

भीलो में पसरी की झोपड़ियां गंदगी

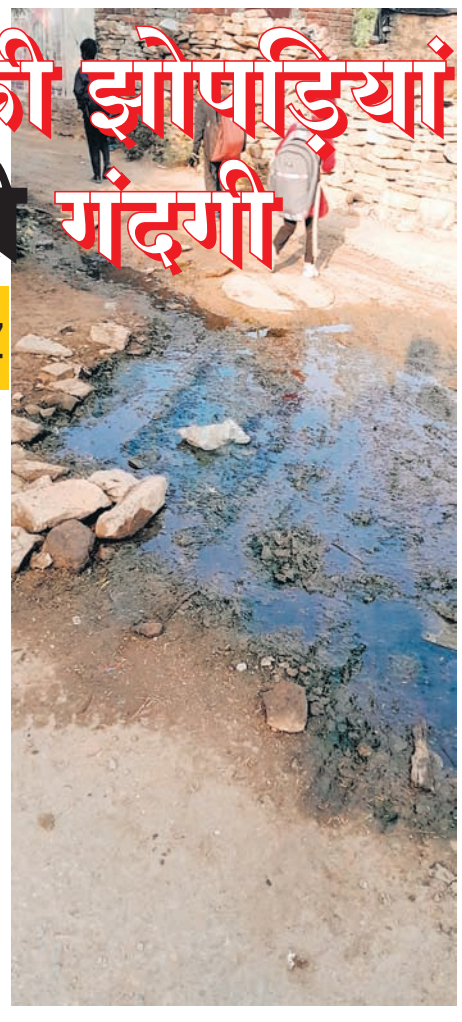

नहीं है पानी की निकासी, गटर हो रहे है ओवरफ्लो

♦भारत टाइम्स♦

चित्तौड़गढ़(अमित कुमार चेचानी)। जहां एक और सरकार स्वच्छता की ओर आम जनता ध्यान आकर्षण कर रही है वहीं दूसरी ओर चित्तौड़गढ़ के गांधीनगर चित्तौड़गढ़ भीलो की झोपड़ियां सेक्टर नंबर 5 जहां पर पिछले कई सालों से ना तो नाली है ना सड़क है और राहगीरों को आने-जाने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी ने जानकारी बताया कि यहां पर चारों तरफ गंदगी का आलम है। यह इलाका वार्ड नंबर 34 में आता है फैली हुई गंदगी व सफाई नियमित रूप से नहीं होने के कारण यहां पर मच्छर और आवारा मवेशियों का प्रकोप रहता है गटर भी ओवरफ्लो हो रहे हैं। कई बार वार्ड के पार्षद को कहा लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

महाकुंभ : एकता, श्रद्धा, भक्ति के साथ सनातन की गूंज

मानवता के इस महापर्व में देश-विदेश के कोने-कोने से, अलग-अलग भाषा, जाति, पंथ, संप्रदाय के धार्मिक संत, संन्यासी और आम जनमानस सम्मिलित हो चुके है या होने वाले हैं। इस महाकुम्भ ने गांव-गिराव की आपसी वैमनस्यता को भी तिलाजंलि दे दी है। एकता, समता और समरसता के धागे में लोग कुछ इस तरह पिरो रहे है, जो कभी नहीं टूटने वाला है।

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था- गर्व से कहो, हम हिंदू हैं और महाकुम्भ से भी कुछ इसी तरह का संदेश गूंज रहा है। या यूं कहे आस्था, एकता, सामाजिक समरसता और भारतीय संस्कृति का संगम बन चुके महाकुंभ के प्रति श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास कुछ इस तरह का हो गया है, जो लाख संकट व झंझावतों के बाद भी 24 दिन में 53 करोड़ से अधिक आस्थावानों ने न सिर्फ डूबकी लगा चुके है, बल्कि सभी प्रमुख अमृत स्नानों के बीतने के बाद भी आवागमन थमने का नाम नहीं ले रहा। उमड़ती भीड़ अंदाजा लगाया जा सकता है ये आंकड़ा महाशिवरात्रि तक 60 करोड़ पार कर जायेगा। खास यह है कि जो लोग महाकुंभ पहुंच रहे हैं, वे सब इस तथ्य को सहज भाव से स्वीकार करते हैं कि महाकुंभ ने जाति, वर्ग, भाषा, प्रांत की सीमाओं को परे रख परंपरा से ओत-प्रोत रह प्रगति को गले लगा एक राष्ट्र की सामूहिक चेतना का संचार किया है। जो लोग कल तक सनातन को गालियां दे रहे थे, उनके लिए विश्व के इस सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजन में उमड़ रही लोगों की श्रद्धा और अपने संस्कृति के प्रति लगाव, यह बताने के लिए काफी है, सनातन न कभी झुका है और न ही टूटने वाला है। ये वही सनातन है, जिसके ज्वार ने मुगलियां आक्रांताओं को खदेड़ा तो ब्रतानियां हुकूमत की जड़े उखाड़ दी फिरहाल, कड़वा सच तो यही है कि महापर्व महाकुंभ की अलौकिक भव्यता और पवित्रता के बीच सनातन की गूंज पूरे विश्व में सुनाई दे रही है। मानवता के इस महापर्व में देश-विदेश के कोने-कोने से, अलग-अलग भाषा, जाति, पंथ, संप्रदाय के धार्मिक संत, संन्यासी और आम जनमानस सम्मिलित हो चुके है या होने वाले हैं। इस महाकुम्भ ने गांव-गिराव की आपसी वैमनस्यता को भी तिलाजंलि दे दी है। एकता, समता और समरसता के धागे में लोग कुछ इस तरह पिरो रहे है, जो कभी नहीं टूटने वाला है। जो भी इस महाकुम्भ को देख व समझ रहा है, उसके जुबान से सिर्फ यही निकल रहा है, यह महाकुंभ एकता व सनातन की बुलंदियों का महाकुंभ होकर रह गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी विभिन्न मंचों से इस महाकुम्भ को सामाजिक समरसता का सबसे बड़ा समागम बता चुके

हैं और इसे चरितार्थ करते हुए उन्होंने इस बार विभिन्न वर्गों एवं संप्रदायों से आने वाले साधु संतों, सेलीब्रेटी से लेकर आम जनमानस तक का सम्मान व अभिनंदन कर एक नई पहल और उदाहरण प्रस्तुत किया है। यूनेस्को ने महाकुम्भ को विश्व का सबसे बड़ा मानवीय और आध्यात्मिक सम्मेलन बताते हुए मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत घोषित किया है। उसका मानना है कि महाकुम्भ भारत की सांस्कृतिक विविधता में समायी हुई एकता और समता के मूल्यों का सबसे बड़ा प्रतीक बनकर उभरा है। यहां सब एक समान हैं। लोगों के मन में ये प्रश्न भी है कि इस आयोजन में ऐसा क्या है जिसमें लगा कि महाकुंभ सबका है। यह इसलिए क्योंकि देश के कोने-कोने से अलग-अलग पृष्ठभूमि से जुड़े लोगों से लेकर भारत के हर कोने की सभ्यता की ध्वनियां इस महाकुंभ में सुनाई दे रही है। एक तरह से सनातन सभ्यता की प्रत्येक ध्वनि, प्रत्येक भावना और प्रत्येक परंपरा की छाया इस महाकुंभ में नजर आयी। चाहे वो संतों और संन्यासियों में बड़ी संख्या में पहुंचे अनुसूचित जाति, घुमंतू जातियों, उत्तर पूर्व के साथ ही बौद्ध धर्म के विदेशी धार्मिक संत हो या नानक पंथी, बौद्ध हो सभी ने एकता, समता, समरसता को आत्मसात करते हुए सनातन के प्रति सम्मान पेश कर एकजुटता का अभूतपूर्व उदाहरण प्रस्तुत किया है। लक्ष दीप और अंडमान निकोबार से लेकर लद्दाख के सुदुर पर्वतों तक, मिजोरम एवं नागभूमि के हरित वनों से लेकर मरुभूमि की रेत के साथ समग्र देश इस महाकुंभ का साक्षी बना। श्रद्धालु, समस्त साधु, संन्यासियों का आशीर्वाद लेकर लौट रहे हैं, मंदिरों में दर्शन कर अन्नक्षेत्र में एक ही पंगत में बैठ कर भण्डारों में खाना खा रहे हैं। कहा जा सकता है महाकुम्भ भारत की सांस्कृतिक विविधता में समायी हुई एकता और समता के मूल्यों का सबसे बड़ा प्रदर्शन स्थल बन चुका है, जिसे दुनिया भर से आये पर्यटक देखकर आश्चर्यचकित हैं, कैसे अलग-अलग भाषायी, रहन-सहन, रीति-रिवाज को मानने वाले एकता के सूत्र में बंधे संगम में स्नान करने चले आते हैं। साधु-संन्यासियों के अखाड़े हों या तीर्थराज के मंदिर और घाट, बिना रोक टोक श्रद्धालु दर्शन, पूजन कर रहे हैं। संगम क्षेत्र में चल रहे अनेक अन्न भण्डार सभी भक्तों, श्रद्धालुओं के लिए दिनरात खुले हैं जहां सभी लोंग एक साथ पंगत में बैठ कर भोजन ग्रहण कर रहे हैं। महाकुम्भ मेले में भारत कि विविधता इस तरह समरस हो जाती है कि उनमें किसी तरह का भेद कर पाना संभव नहीं है। इस महाकुंभ की सफलता का बड़ा कारण यह भी रहा कि यह पूरी तरह से धार्मिक, आध्यात्मिक और सामाजिक स्वरुप लिए हुआ है। इसमें झोपडी से लेकर महलों तक में रहने वालों की भागीदारी न सिर्फ दिखी, बल्कि डुबकी भी लगाती नजर आयी। राष्ट्र और सनातन सभ्यता के विभिन्न उद्गम स्थलों से निकलने वाले नवीन और प्राचीन परंपराओं की झलक दिखी। सभी अखाड़े, कबीर पंथी, रैदासी, निरंकारी, नामधारी, निहंग, आर्यसमाज, सिंधी, निम्बार्क, पारसी, धर्मगुरु, बौद्ध, लिंगसायत, रामकृष्ण मिशन, सत्राधिकर जैन, बंजारा समाज, मैतेई, चकमा, गोरखा, खासी, रामनामी आदि प्रमुख परंपराएं महाकुंभ में सम्मिलित दिखी। देश के कोने कोने से पहुंचे लोगों को देखकर यही लगा जैसे महाकुंभ नगर एक तरह से संपूर्ण भारत का गांव, मोहल्ला बन गया है, जो अब तक नहीं जा पाएं है, वे महाजाम में फंसकर तीन-चार दिन भूखे-प्यासे रहकर पहुंचने की कोशिश में लगे है। उनका मन-मष्तिष्क सिर्फ महाकुंभ की ओर है। मतलब साफ है यह महाकुंभ दैवीय अनुभूति व आध्यात्मिक यात्रा में परिवर्तित हो चुका है, जिसका लगाव सिर्फ और सिर्फ सनातन है। इस महाकुम्भ में सनातन परंपरा को मनाने वाले शैव, शाक्त, वैष्णव, उदासीन, नाथ, कबीरपंथी, रैदासी से लेकर भारशिव, अघोरी, कपालिक सभी पंथ और संप्रदायों के साधु, संत एक साथ मिलकर अपने-अपने रीति-रिवाजों से पूजन-अर्चन और गंगा स्नान कर रहे हैं। संगम तट पर लाखों की संख्या में कल्पवास करने वाले श्रद्धालु देश के कोने-कोने से पहुचे हैं। अलग-अलग जाति, वर्ग, भाषा को बोलने वाले साथ मिलकर महाकुम्भ की परंपराओं का पालन कर रहे हैं। महाकुम्भ में अमीर, गरीब, व्यापारी, अधिकारी सभी तरह के भेदभाव भुलाकर एक साथ एक भाव में संगम में डुबकी लगा रहे हैं। महाकुम्भ और मां गंगा, नर, नारी, किन्नर, शहरी, ग्रामीण, गुजराती, राजस्थानी, कश्मीरी, मलयाली किसी में भेद नहीं करती। अनादि काल से सनातन संस्कृति की समता, एकता कि ये परंपरा प्रयागराज में संगम तट पर महाकुम्भ में अनवरत चलती आ रही है और हर सीमाओं को पार रखे हुए परंपरा से ओत-प्रोत रहते हुए प्रगति को गले लगा एक राष्ट्री की सामूहिक चेतना का संचार किया है। यह महाकुंभ एकता, अखंडता और श्रद्धा के रुप में लोगों के मानस पटल पर युगो-युगो तक अंकित रहेगा। एको अहं, द्वितीयो नास्ति, न भूतो न भविष्यति! अर्थात न ऐसा महाकुंभ कभी हुआ और न भविष्य में हो सकेगा।

जीआईएस बनेगी दयप्रदेश के लिए वरदान, अर्थव्यवस्था को मिलेगी 'बूस्टर डोज'

एमपी में आगामी 24 और 25 फरवरी को राजधानी भोपाल में ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट का आयोजन किया जा रहा है। यह ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2025 प्रदेश की अर्थव्यस्था के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी जो राज्य को विकास की एक नई दिशा प्रदान करेगी। इस समिट के जरिए मध्यप्रदेश ने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा है जिससे राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश की संभावनाएं बनती दिखाई दे रही हैं। इसके माध्यम से एमपी की अर्थव्यवस्था को एक ह्यबूस्टर डोजह्न मिल सकता है। मध्य प्रदेश की वर्तमान जीडीपी 2.9 लाख करोड़ रुपए है। अब मोहन सरकार जीआईएस और अपनी निवेश नीति में बदलाव कर अगले 5 सालों में इसे बेहतर करने की दिशा में मजबूती के साथ अपने कदम बढ़ाती नजर आ रही है। अगर निवेश सही से परवान चढ़ा तो वर्ष 2030 तक मध्यप्रदेश की जीडीपी लगभग 6 लाख करोड़ रुपए को पार कर सकती है। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का मुख्य उद्देश्य राज्य में उद्योग, वाणिज्य और व्यापार के क्षेत्र में निवेश बढ़ाना है। यह समिट मध्य प्रदेश के आर्थिक ढांचे को सुदृढ़ करने और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने में सहायक साबित हो सकती है।निवेश के समुचित अवसरों को देखते हुए राज्य सरकार ने विभिन्न सेक्टरों में निवेशकों को आमंत्रित किया है जिसका अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। जीआईएस 2025 एमपी के लिए न केवल निवेश के अवसर प्रदान करने का एक आयोजन है बल्कि यह राज्य को वैश्विक आर्थिक मानचित्र पर उभारने का एक महत्वपूर्ण प्रयास भी है।मध्यप्रदेश सरकार उद्योग के अनुकूल माहौल बनाने के लिये प्रतिबद्ध नजर आ रही है। मध्यप्रदेश पर्यटन, फार्मास्युटिकल्स,ऑटोमोबाइल,खनन डेयरी,सोलर, एमएसएमई और खाद्य प्र-संस्करण जैसे क्षेत्रों के प्रमुख केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। मध्यप्रदेश एक्सपोर्ट प्रिपेअर्डनेस इंडेक्स में देश के शीर्ष दस राज्यों में और मध्यप्रदेश ईज-ऑफ-डूइंग बिजनेस रैंकिंग में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक है। यहां व्यापार संचालन और निवेश के लिये माहौल को अत्यधिक अनुकूल बनाया गया है। इसके साथ ही सरकारी प्रक्रियाओं को अत्यंत सरल किया गया है। इससे आर्थिक विकास को प्रोत्साहन मिल रहा है। प्रदेश में किये गए मुख्य सुधारों में

ऑनलाइन पंजीकरण, लाइसेंसिंग और अनुमति स्वीकृति जैसी व्यावसायिक प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण और इन्वेस्ट मध्यप्रदेश विंडो प्रमुख हैं। इन्वेस्ट पोर्टल को नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम के साथ एकीकृत किया गया है। इससे निवेशकों का एमपी में तेजी से विश्वास बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की निवेशक-फ्रेंडली नीतियाँ राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनके द्वारा शुरू हुई रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की पहल से एक साल के भीतर निवेशकों के लिए एक आकर्षक माहौल तैयार हुआ है। उन्होंने राज्य में औद्योगिक विकास के लिए एक मजबूत नीति तैयार की जिसमें स्थिरता और पारदर्शिता की गारंटी दी गई। इसने निवेशकों का दिल जीता और मोहन के प्रति विश्वास बढ़ाया जिसने राज्य में निवेश बढ़ाने के मार्ग खोले। निवेशकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलू पारदर्शी प्रशासन रहता है। सीएम डॉ.मोहन यादव ने अपने एक साल के छोटे से कार्यकाल में यह सुनिश्चित किया कि राज्य में प्रशासनिक प्रक्रियाएं पारदर्शी हों जिससे निवेशकों को कानूनी और प्रशासनिक अड़चनों का सामना न करना पड़े। उन्होंने अपने सुशासन में कई व्यवस्थाओं का डिजिटलीकरण किया जिससे उनके प्रशासन में उद्योगपतियों का विश्वास तेजी बढ़ा और निवेशक एमपी में इनवेस्ट करने में रुचि लेने लगे। उनके द्वारा किए गए सुधारों से राज्य में विदेशी कंपनियों के लिए अनुकूल माहौल तैयार हुआ जिससे राज्य में विदेशी निवेश परवान चढ़ रहा है और कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने यहां अपनी उत्पादन इकाइयां स्थापित करने में रूचि दिखा रही हैं। मध्यप्रदेश में निवेशकों के लिए 1.25 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र की औद्योगिक भूमि-बैंक है। इसमें से 19,011 हेक्टेयर क्षेत्र उद्योगों के लिए विकसित किए जा चुके हैं । राज्य में 76 विकसित 19 विकासाधीन और 13 प्रस्तावित भूमि-बैंक हैं जो 5 ग्रोथ सेंटर्स में फैले 79 भूखंडों में वितरित हैं। टैक्सटाइल नीति के अंतर्गत संयंत्र और मशीनरी के लिए गए टर्मलोन पर 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान सुविधा 5 वर्षों के लिए अधिकतम, 50 करोड़ रुपए प्रदाय की जाएगी। अपेरल प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना पर 25 प्रतिशत सहायता अधिकतम 50 लाख रुपए वित्तीय सहायता प्रदाय की जाएगी साथ ही 500 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करने वाली मेगा श्रेणी की इकाईयां सीसीआईपी अंतर्गत कस्टमाइज्ड पैकेज के लिए पात्र होंगी। इसी प्रकार नवकरणीय ऊर्जा उपकरण विनिर्माण नीति में विकास शुल्क में 50 प्रतिशत की रियायत दी जाएगी। गुणवत्ता प्रमाणन लागत का 50 प्रतिशत या 1 लाख रुपए जो भी कम हो, की प्रतिपूर्ति की जाएगी। 250 करोड़ से अधिक का निवेश करने वाली मेगा श्रेणी की इकाइयां सीसीआईपी अंतर्गत कस्टामाइज्ड पैकज के लिए पात्र होंगे जाएगी।परिधान, फुटवियर, खिलौने और सहायक उपकरण नीति में रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार प्रति कर्मचारी 5 हजार रुपए प्रति माह 5 वर्षों तक नियोक्ता को दिया जाएगा। प्रशिक्षण और कौशल विकास के लिए 13 हजार रुपए प्रति नए कर्मचारी के लिए 5 वर्षों तक प्रदान किया जाएगा। इसी प्रकार टर्मलोन पर 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान,अधिकतम 50 करोड़ रुपए दिया जाएगा । विकास शुल्क में 25 प्रतिशत की रियायत देने के साथ स्टांप ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क सहायता में 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। विद्युत टैरिफ रियायत के रूप में 1 रुपए प्रति यूनिट, अधिकतम 5 वर्षों के लिए प्रदान की जाएगी। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को इस समिट से लाभ मिलेगा। अभी प्रदेश में 12.50 लाख एमएसएमई इकाइयां हैं। इनमें 66 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है। जीआईएस में देश के बड़े उद्योगपतियों के साथ विदेशों के भी निवेशक शामिल होंगे। हाल ही में मुयमंत्री डॉ मोहन यादव ने जापान की यात्रा की।

संपादकीय

अध्यात्म योगी आचार्य विद्यासागर

गुरुवर, महाऋषीश्वर संत शिरोमणि 108 आचार्यश्री विद्यासागर महामुनिराज का बहुआयामी व्यक्तित्व चुम्बकीय है। महाराजश्री के विषय में सर्वविदित है कि उनके विहार की तिथि निश्चित नहीं है। अनिश्चितता के बावजूद वे जिस क्षण और जिस ओर विहार करते हैं, सुरभि की तरह जन-जन में जानकारी होते ही हजारों लोग उस ओर दौड़ पड़ते हैं, ताकि विहार में अच्छे से दर्शन हो सकें। महाराजश्री स्वयं मानवतीर्थ थे। वे किस तीर्थ की ओर प्रस्थान करें, इस पर श्रावकों के बीच चर्चा होती थी। लेकिन चर्चा पर आचार्यश्री के मन की बात आचार्यश्री ही जानते थे–यह कहकर वह विराम लग जाता था। आचार्यश्री के हृदय में वैराग्य का बीजारोपण बाल्यावस्था में ही शुरू हो गया था। धर्म, अध्यात्म, साधुओं की सेवा, पूजन-पाठ, स्वाध्याय आदि में उनका आरंभ से ही रुचि रही। ऐसा माना जाता है कि पूजा के भाव, परिणामों की निर्मलता और शुभ क्रियाओं के प्रति उत्सुकता, आदि आश्चर्यजनक परिणाम देते हैं, जो भगवान की भक्ति से उत्पन्न होते हैं। इसी प्रकार के भावों के परिणामस्वरूप, 27 जुलाई 1966 को विद्याधर अपने मित्र जिनगौड़ा को साथ लेकर घर से निकल पड़े और मोक्षपथ के अविराम पथिक बन गए। चूलगिरी, जयपुर, राजस्थान में विराजमान आचार्यश्री दशभूषण जी महाराज के समक्ष उपस्थित हो, 20 वर्षीय नवयुवक विद्याधर ने महाराज से आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत ग्रहण करने की भावना रखी और यह भी बताया कि वे परिवार की अनुमति लेकर नहीं आए थे। विद्याधर की स्पष्टवादिता, धर्मनिष्ठा और दृढ़ता को देखकर दशभूषण महाराज जी ने उन्हें आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत का आशीर्वाद दे दिया। यह मोक्ष मार्ग की सीढ़ी पर पहला कदम था। महाराज जी का जन्म अश्विन शुक्ल पूर्णिमा (शरद पूर्णिमा) 10 अक्टूबर 1946 को सदलगा ग्राम के निकट चिक्कोड़ी, जिला बेलगाम, कर्नाटक में हुआ। आपके पिता श्री मलप्पा जी जैन अष्टगे (समाधिस्थ मुनि श्री मल्लि सागर जी) और माताजी श्रीमती जी जैन अष्टगे (समाधिस्थ आर्यिका श्रीसमयमति जी) थीं। बचपन का नाम विद्याधर था। मुनि दीक्षा अजमेर, राजस्थान में 30 जून 1968 को दीक्षागुरू दिगम्बराचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज से हुई। सामान्यतः ब्रह्मचर्य व्रत के बाद क्षुल्लक, दीक्षा, एल्क दीक्षा, तत्पश्चात मुनि दीक्षा होती है। आचार्यश्री की ब्रह्मचर्य व्रत के बाद सीधे मुनि दीक्षा, 22 वर्ष की युवावस्था में हुई। दीक्षा पूर्व स्थानीय जनों में मतमतांतर था। जब महाराज श्री का ब्रह्मचर्य व्रत पालन और आगम अनुकूल चर्या तथा गुरु के प्रति समर्पण देखा गया, तो सभी महाराज श्री के भक्त हो गए और दीक्षा के पक्ष में हो गए। आचार्य श्री जी के व्यक्तित्व को कुछ शब्दों या पन्नों में समेटना समुद्र के जल को अंजुलि में समेटने जैसा प्रयास होगा। जो भी उन्हें जिस दृष्टि से देखता है, गुण ही गुण नजर आते हैं। तभी तो ठहर-ठहर कर श्रावक पंचम युग के त्राता, ज्ञानी, ध्यानी, परम वीतरागी, आध्यात्मयोगी, ज्ञानानंद योगी, वात्सल्य प्रेमी, प्रातः स्मरणीय, विश्ववंदनीय, अनाशक्त महायोगी, प्रतिभा प्रणेता, हृदय सम्राट, संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज की जय जय जय के उद्घोष को चारों दिशाओं में गूंजते हुए सुनते हैं। गुरूवर का व्यक्तित्व अथाह, अपार, असीम, अलौकिक, अप्रतिम, अद्वितीय और चमत्कृत कर देने वाला है। महाराज श्री की वाणी और चर्या से प्रेरणा लेकर अनगिनत भव्य श्रावक धन्य हुए। आचार्य श्री ने मूकमाटी जैसी क्रांतिकारी, आध्यात्मिक, नैतिक, सामाजिक, सैद्धांतिक महाकाव्य सहित अन्य काव्य-रचनाओं का सृजन करके साहित्य परंपरा को समृद्ध किया है।

आस्था...

साधु, सन्यासी का कैसे किया जाता है अंतिम संस्कार?...

हमारे सनातन धर्म में साधु-संन्यासियों को बहुत सम्मान दिया जाता है। ये लोग भगवान की पूजा-अर्चना और समाज की भलाई के लिए हमेशा लगे रहते हैं। इनका जीवन बहुत ही पवित्र और शुद्ध होता है, लेकिन इनके जीवन के कुछ कार्य हमारे आम जीवन से अलग होती हैं। जैसे हिंदू धर्म में जब कोई इंसान मरता है, तो उसका दाह संस्कार किया जाता है, लेकिन साधु-संन्यासियों को दाह संस्कार की बजाय समाधि दी जाती है। अब सवाल ये है कि ऐसा क्यों होता है? तो आइए इस बारे में आज हम आपको विस्तार से बताते हैं। शरीर का आध्यात्मिक महत्व साधु-संन्यासी अपने शरीर को एक साधन मानते हैं, जिसके जरिए वे तपस्या और साधना करते हैं। उनके लिए शरीर केवल आत्मा का एक वाहन है। जब उनका शरीर समाधि में जाता है, तो इसे जमीन में दफन किया जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से उनका शरीर पूरी तरह से प्रकृति में समा जाता है। अग्नि संस्कार की जरूरत नहीं साधु-संन्यासी अपना जीवन सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर जीते हैं। ये लोग जन्म और मृत्यु के चक्कर से बाहर होते हैं क्योंकि वे पहले ही मोक्ष के रास्ते पर चल रहे होते हैं। इसलिए, उन्हें दाह संस्कार की जरूरत नहीं होती, जैसे आम इंसान के साथ किया जाता है। साधु-संत महाकुंभ छोड़ने से पहले क्यों खाते हैं कढ़ी-पकोड़ा? क्या है मान्यता साबुन की जगह नमक का इस्तेमाल करती हैं स्किन के डॉक्टर से जानें बॉडी पर नमक रगड़ना कितना सही है 24 फरवरी से पलट सकती है इन राशियों की किस्मत, बुध-यम बनाएंगे अर्धकेंद्र योग 2 दिन बाद इन राशियों का शुरू होगा गोल्डन टाइम, जॉब-करियर में जबरदस्त सफलता के योग, व्यापार के दाता बुध करेंगे राहु के नक्षत्र में प्रवेश धार्मिक और आध्यात्मिक नजरिया साधु-संन्यासियों को समाधि देना उनके तप और ज्ञान का सम्मान होता है। ये लोग जिस जगह पर रहते हैं या उनका आश्रम होता है, वहीं उनके शरीर को समाधि दी जाती है। ऐसा करने से उनकी ऊर्जा उस जगह पर स्थायी रूप से बनी रहती है, जो लोगों के लिए बहुत लाभकारी होती है। समाधि क्यों दी जाती है? हिंदू धर्म में यह माना जाता है कि जो इंसान सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर संन्यास लेता है, वह अब इन दुनिया की चीजों से ऊपर हो जाता है।

आज का राशिफल

मेष: चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ ।

मेष: आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। घर में साफ-सफाई की जरूरत तुरंत है। हमेशा की तरह इस काम को अगली बार के लिए न टालें और कमर कस कर जुट जाएँ। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। लम्बे समय से अटके फैसलों को अमली जामा पहनाने में कामयाबी मिलेगी और नयी योजनाएँ आगे बढेंगी।

वृषभ : उ, ई, ऐ, ओ, बा, बी, बे, बो ।

वृषभ: रचनात्मक काम आपको सुकून देगा। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, जिंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को खुश कर देगा। अपने प्रिय की छोटी-मोटी भूल को अनदेखा करें। साझेदारी में किए गए काम आखिरकार फायदेमंद साबित होंगे, लेकिन आपको अपने भागीदारों से काफी विरोध का सामना करना पड़ सकता है। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे।

मिथुन: क, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा ।

मिथुन: अगर आप बहुत ज्यादा तनाव महसूस कर रहे हैं, तो बच्चों के साथ अधिक समय बिताएँ। उनके प्यार भरे आलिंगन और मासूम मुस्कुराहट आपकी सभी परेशानियों को खत्म कर देंगे। जो लोग अब तक पैसे को बिना वजह ही उड़ा रहे थे आज उन्हें अपने आप पर काबू रखना चाहिए और धन की बचत करनी चाहिए। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। आज आपको प्यार का जवाब प्यार और रोमांस से मिलेगा। किसी लघु या मध्यावधि पाठ्यक्रम में दाखिला लेकर अपनी तकनीकी क्षमताओं में निखार लाएँ।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो ।

कर्क: आपका गुस्सा राई का पहाड़ बना सकता है, जो आपके परिवार को नाराज कर सकता है। वे लोग खुशकिस्मत हैं जो अपने गुस्से पर काबू रख सकते हैं। इससे पहले कि आपका गुस्सा आपको खत्म करे, आप उसे खत्म कर दें। आपको मेरी सलाह है कि शराब सिगरेट जैसी चीजों पर पैसा खर्च न करें, ऐसा करना आपके स्वास्थ्य को तो खराब करता ही है आपकी आर्थिक स्थिति भी इससे बिगड़ती है। दूसरों की कमियाँ ढूंढने का गैर-जरूरी काम रिश्तेदारों की आलोचना का रुख आपकी ओर मोड़ सकता है। आपको समझना चाहिए कि यह केवल समय की बबार्दी है और इससे कुछ हासिल नहीं होता है।

सिंह: मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे ।

सिंह: अपने विचार व्यक्त करने में हिचकिचाएँ नहीं। आत्मविश्वास की कमी को खुद पर हावी न होने दें, क्योंकि यह सिर्फ आपकी समस्या को और जटिल बनाएगा, साथ ही आपकी तरक्की में भी रोड़ा अटकाएगा। अपना आत्मविश्वास फिर से हासिल करने के लिए अपनी बात खुल कर कहें और परेशानियों का सामना होठों पर मुस्कुराहट के साथ करें। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। परिवार के लोगों से अपनी परेशानियां साझा करके आप हल्का महसूस करते हैं।

कन्या: टो, पा, पी,पू, ष, ण, ठ, पे, पो।

कन्या: दूसरों के लिए खराब नीयत रखना मानसिक तनाव को जन्म दे सकता है। इस तरह के विचारों से बचें, क्योंकि ये समय की बबार्दी करते हैं और आपकी क्षमताओं को खत्म करते हैं। आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार/दोस्त घर आ सकते हैं। किसी से अचानक हुई रुमानी मुलाकात आपका दिन बना देगी। अपनी पेशेवर क्षमताओं को बढ़ाकर आप करिअर में नए दरवाजे खोल सकते हैं। अपने क्षेत्र में आपको अपार सफलता मिलने की संभावना भी है। अपनी सभी क्षमताओं को निखारकर औरों से बेहतर बनने की कोशिश करें।

तुला: रा, री, रू, रे, ता, ती, तू, ते ।

तुला: आपका व्यक्तित्व आज इत्र की तरह महकेगा और सबको आकर्षित करेगा। अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज्यादा मददगार साबित होगा। जिनकी सगाई हो चुकी है, वे अपने मंगेतर से बहुत-सी खुशियाँ पाएंगे। अगर आज आपका रुख विनम्र और सहयोगी है, तो आपको अपने साझीदारों से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए।

वृश्चिक: तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू ।

वृश्चिक: नर्वस ब्रेकडाउन आपकी सोचने की ताकत और शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र को कमजोर बना सकता है। सकारात्मक सोच के जरिए इस समस्या से निजात पाएँ। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियाँ सभी को खुश रखेंगी। प्यार बहार की तरह है; फूलों, रोशनी और तितलियों से भरा हुआ। आज आपका रोमानी पहलू उभरकर आएगा। नौकरों और सहकर्मियों से परेशानी होने की संभावना को खारिज नहीं किया जा सकता है। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं।

धनु : ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे ।

धनु: सेहत को देखभाल की खास जरूरत है। दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। कोई ऐसा रिश्तेदार जो बहुत दूर रहता है, आज आपसे संपर्क कर सकता है। अपने दिल की बात जाहिर करके आप खुद को काफी हल्का और रोमांचित महसूस करेंगे। नई योजनाएँ आकर्षक होंगी और अच्छी आमदनी का जरिया साबित होंगी। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक्कतों को जल्द ही हल करने की जरूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं-न-कहीं से शुरूआत करनी होगी- इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें।

मकर: भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी ।

मकर: आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। घर के जरुरी सामान पर धन खर्च करके आपको आर्थिक परेशानी तो आज जरुर होगी लेकिन इससे आप भविष्य की कई परेशानियों से बच जाएंगे। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी खबर पूरे परिवार को खुशी देगी। खयाली परेशानियों को छोड़ें और अपने साथी के साथ रोमांटिक समय बिताएँ। लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें।

कुंभ: गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा ।

कुंभ: अपनी सेहत को ध्यान में रखकर चीखने-चिल्लाने से बचें। जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान खरीद सकते हैं। अपने प्रिय के साथ सैर-सपाटे पर जाते समय जिंदगी को पूरी शिद्दत से जिएँ। बेहतर कामकाज के चलते आपको तारीफ मिल सकती है। आपका संगी आपसे सिर्फ कुछ समय चाहता है लेकिन आप उनको समय नहीं दे पाते जिससे वो खिन्न हो जाते हैं।

मीन: दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची ।

मीन: आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। घर में साफ-सफाई की जरूरत तुरंत है। हमेशा की तरह इस काम को अगली बार के लिए न टालें और कमर कस कर जुट जाएँ। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। लम्बे समय से अटके फैसलों को अमली जामा पहनाने में कामयाबी मिलेगी और नयी योजनाएँ आगे बढेंगी।

नागिन 7 में ईशा मालवीय को मिला लीड रोल

एकता कपूर की नागिन सीरीज टीवी की दुनिया की पॉपुलर सीरीज में से एक है. इस सीरीज के अब तक 6 सीजन आ चुके हैं. अब नागिन 7 आने वाला है. एकता कपूर ने इसकी अनाउंसमेंट कर दी है. शो में लीड रोल कौन निभाएगा इसे लेकर

अफवाहों का बाजार गर्म है. कई टॉप हीरोइनों के नाम सामने आ चुके हैं.

शो में प्रियंका चाहर चौधरी के लीड रोल निभाने की खबरें थीं. वहीं रुबीना दिलैक, दिशा परमार जैसी एक्ट्रेसेस के नाम भी सामने आ रहे थे. लेकिन अब रिपोर्ट्स हैं कि शो में बिग बॉस फेम एक्ट्रेस नजर आने वाली हैं.

नागिन 7 में बिग बॉस 17 फेम ईशा मालवीय लीड रोल निभा सकती हैं. उनकी मेकर्स के साथ बातचीत चल रही है. सोर्स के हवाले से लिखा, %ईशा ने पिछले शोज में एक्टिंग में खुद को प्रूव किया है और हमें विश्वास है कि नागिन 7 में वो कमाल करेंगी.%

बता दें कि अभी तक एकता कपूर के नागिन में मौनी रॉय, सुरभि ज्योति, सुरभि चंदाना, हिना खान, करिश्मा तन्ना, तेजस्वी प्रकाश, जैस्मिन भसीन, रश्मि देसाई, अदा खान, अनिता हसनंदानी, जैसी एक्ट्रेसेस नागिन का रोल निभा चुकी हैं. नागिन में एक्ट्रेस के रोल काफी इंटरेस्टिंग होते हैं. अभी तक सारे सीजन को फैंस ने बहुत प्यार दिया है.

एकता कपूर ने कुछ दिन पहले एक वीडियो शेयर किया था. इसमें वो अपनी टीम के साथ मीटिंग करती दिख रही थीं. उन्होंने अपनी टीम से पूछा था कि नागिन कहां है. तो उनकी टीम की एक मेंबर ने कहा था कि नागिन चोटियों के नीचे, पहाड़ों के पीछे है. जहां नागिन को होना चाहिए था. फिर एकता ने कहा था कि अब सर्व सर्व सर्व सर्व श्रेष्ठ नागिन को लाने का वक्त आ गया है।

करण कुंद्रा–तेजस्वी प्रकाश का वीडियो हुआ वायरल

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाशटीवी इंडस्ट्री के पॉपुलर स्टार्स हैं. इसके अलावा दोनों एक-दूसरे को काफी समय से डेट कर रहे हैं. करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश एक साथ रियलिटी शो में बिग बॉस 15 में नजर आए थे तभी से एक-दूसरे के प्यार में पड़े गए थे. इसके बाद दोनों एक-दूसरे के साथ अक्सर नजर आते हैं और प्यार लुटाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं. अब करण कुंद्रा ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो तेजस्वी प्रकाश के साथ रोमांटिक होते नजर आ रहे हैं. इस कपल के वीडियो वायरल होते ही लोगों ने कमेंट करना शुरू कर दिया. आइए देखते हैं कि इस वीडियो में क्या है. करण कुंद्रा ने बीते दिनों वैलेंटाइन वीक में अपनी गर्लफ्रेंड तेजस्वी प्रकाश के साथ की कुछ रोमांटिक फोटोज शेयर की थीं. इनमें दोनों एक-दूसरे में खोए हुए नजर आ रहे थे. अब करण कुंद्रा ने इस फोटोशूट का वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें वह और तेजस्वी प्रकाश कैमरे के सामने बेकाबू होते नजर आ रहे हैं. इस कपल के तमाम चाहने वाले फैंस जमकर रिएक्शन दे रहे हैं. एक फैन ने लिखा है, ये कितने क्यूट हैं. एक फैन ने लिखा है, दोनों शादी कर लो. एक फैन ने लिखा है, वाह क्या जोड़ी है. एक फैन ने लिखा है, दोनों साथ में काफी अछे लगते हैं. इस तरह से फैंस ने अपने पसंदीदा कपल करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश पर खूब प्यार लुटाया है.बताते चलें कि तेजस्वी प्रकाश ने सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 15 की ट्रॉफी जीती थी. इसके साथ ही वह करण कुंद्रा के प्यार में पड़ी थी और अभी तक दोनों साथ में हैं. वहीं, तेजस्वी प्रकाश इन दिनों कुकिंग बेस्ड रियलिटी शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में नजर आ रही हैं. इस शो के फराह खान होस्ट कर रही हैं, वहीं रणवीर बरार और विकास खन्ना बतौर जज नजर आ रहे हैं।

छावा की दहाड़ से हिला बॉक्स ऑफिस

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना की मोस्ट अवेटेड फिल्म छावा वेलेंटाइन्स डे के मौके पर यानी 14 फरवरी को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई थी. लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी इस मूवी में विक्की कौशल ने छत्रपति शिवाजी के बेटे छत्रपति संभाजी महाराज का रोल निभाया है. तो वहीं इस मूवी में रश्मिका मंदाना ने येशुबाई का रोल निभाया है. बता दें कि छावा में एक्टर अक्षय खन्ना ने औरंगजेब का रोल निभाया है. ओपनिंग डे पर छावा ने छप्परफाड़ कमाई की थी तो वहीं अब सबकी निगाहें फिल्म के दूसरे दिन के आंकड़ों पर टिकी हैं. बॉलीवुडलाइफ की इस रिपोर्ट में जानें फिल्म ने दूसरे दिन कितना कलेक्शन किया है.सैकनिल्क डॉट कॉम की एक रिपोर्ट के अनुसार विक्की कौशल की फिल्म छावा ने दूसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर छप्परफाड़ प्रदर्शन किया है. रिपोर्ट की मानें तो दूसरे दिन छावा ने शानदार कमाई की है और विक्की कौशल की फिल्म को वीकेंड का शानदार तोहफा मिला है. इस मूवी ने दूसरे दिन 36.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक छावा ने ओपनिंग डे पर 33.10 करोड़ रुपये की कमाई की थी. इस हिसाब से लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी छावा ने इन दो दिनों में 69.15 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की है. बता दें कि यह मूवी विक्की कौशल के करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्म बन गई है. ऐसे में मूवी छावा की कमाई से हर कोई हैरान है.बता दें कि छावा फिल्म की कहानी शिवाजी सावंत की नोवेल छावा से ली गई है. यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे संभाजी महाराज की जिंदगी पर बनी है।

दिवाली पर आयुष्मान खुराना–कार्तिक आर्यन का होगा महाक्लैश

लंबे समय से सिने प्रेमियों के लिए आशिकी सिर्फ एक फिल्म नहीं रही है बल्कि एक इमोशन रही है. इस फिल्म के 2 पार्ट्स आ चुके हैं. हर पार्ट में एक फ्रेश स्टारकास्ट और नई कहानी रही है. अब आशिकी 3 को लेकर भी अनाउंसमेंट हो गई है. वैलेंटाइन के ठीक एक दिन बाद आशिकी 3 का ऐलान कर दिया गया है. वो भी एकदम फ्रेश स्टार कास्ट के साथ. फिल्म में कार्तिक आर्यन के अपोजिट श्रीलीला नजर आएंगी. फिल्म का टीजर जारी कर दिया गया है. साथ ही ये भी पता चल गया है कि साल 2025 दिवाली धमाके के मौके पर कार्तिक आर्यन का मुकाबला किससे होना है.आशिकी 3 फिल्म की बात करें तो इसका पहला पार्ट 1990 में आया था. जिसे आए हुए अब 35 साल हो गए हैं. वहीं फिल्म का दूसरा पार्ट 12 साल पहले आया था. अब आशिकी 3 की अनाउंसमेंट हो गई है. हालांकि इस फिल्म का अभी ऑरिजनल टाइटल नहीं आया है. फिल्म का गाना है 'तू मेरी जिंदगी है'. ये गाना 35 साल बाद आई फिल्म के पहले पार्ट में भी था. अब इस गाने को रिक्रिएट किया गया है और टीजर में शामिल किया गया है. बढ़ी दाढ़ी और बाल में गिटार लिए कार्तिक इसपर परफॉर्म करते नजर आ रहे हैं. वहीं श्रीलीला इस फिल्म में उनके साथ नजर आएंगी. टीजर में कार्तिक-श्रीलीला की केमिस्ट्री खास लग रही है।

पेरेंट्स से मिलने गए कृति और कबीर

कृति सेनन, जल्द बजेगी शहनाई? एक्ट्रेस कृति सेनन अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी चर्चा में हैं. लंबे समय से उनके बिजनेसमैन कबीर बहिया संग अफेयर की खबरें चर्चा में बनी हुई हैं. हालांकि, दोनों ने अपने रिलेशनशिप को कभी कंफर्म नहीं किया है. हालांकि, उन्हें अक्सर साथ में स्पॉट किया जाता है. फैमिली गैदरिंग से लेकर पार्टी तक दोनों साथ में एंजॉय करते नजर आते हैं. अब दोनों के जल्द शादी करने को लेकर खबरें हैं. पिंकविला की खबर के मुताबिक, दोनों फैमिली से मिलने के लिए दिल्ली गए हैं. कृति और कबीर को हाल ही में एयरपोर्ट पर साथ में स्पॉट किया गया. इस दौरान कृति ने मास्क लगाया था. उन्होंने काला चश्मा पहना था और कैप भी लगाई थी. अपने लुक को उन्होंने डेनिम जींस और ब्लैक जैकेट से कंप्लीट किया. वहीं कबीर बहिया भी ऑल ब्लैक लुक में दिखे. दोनों कपल गोल्स दे रहे थे. रिपोर्ट्स हैं कि शादी की खबरों के बीच वो पेरेंट्स से मिलने के लिए गए हैं. दोनों के 2025 के अंत तक शादी करने की खबरें हैं.बता दें कि हाल ही में कृति और कबीर को बेंगलुरु में एक शादी में देखा गया था. दोनों की एक वीडियो सामने आई थी. इसमें दोनों कलर कोऑर्डिनेटेड आउटफिट में दिखे. वो वेडिंग फेस्टिविटी एंजॉय करते नजर आए. मालूम हो कि कबीर लंदन बेस्ड बिजनेसमैन हैं. वर्क फ्रंट पर कृति सेनन को पिछली बार फिल्म दो पत्ती में देखा गया था. इस फिल्म में वो प्रोड्यूसर भी थीं. प्रोड्यूसर के तौर पर ये उनकी पहली फिल्म थीं. अब वो आनंद एल राय की %%तेरे इश्क में%% में नजर आएंगी. इस फिल्म में धनुष लीड रोल में हैं. फिल्म के टीजर नजर आ चुके हैं. ये फिल्म नवंबर 2025 में रिलीज होगी।

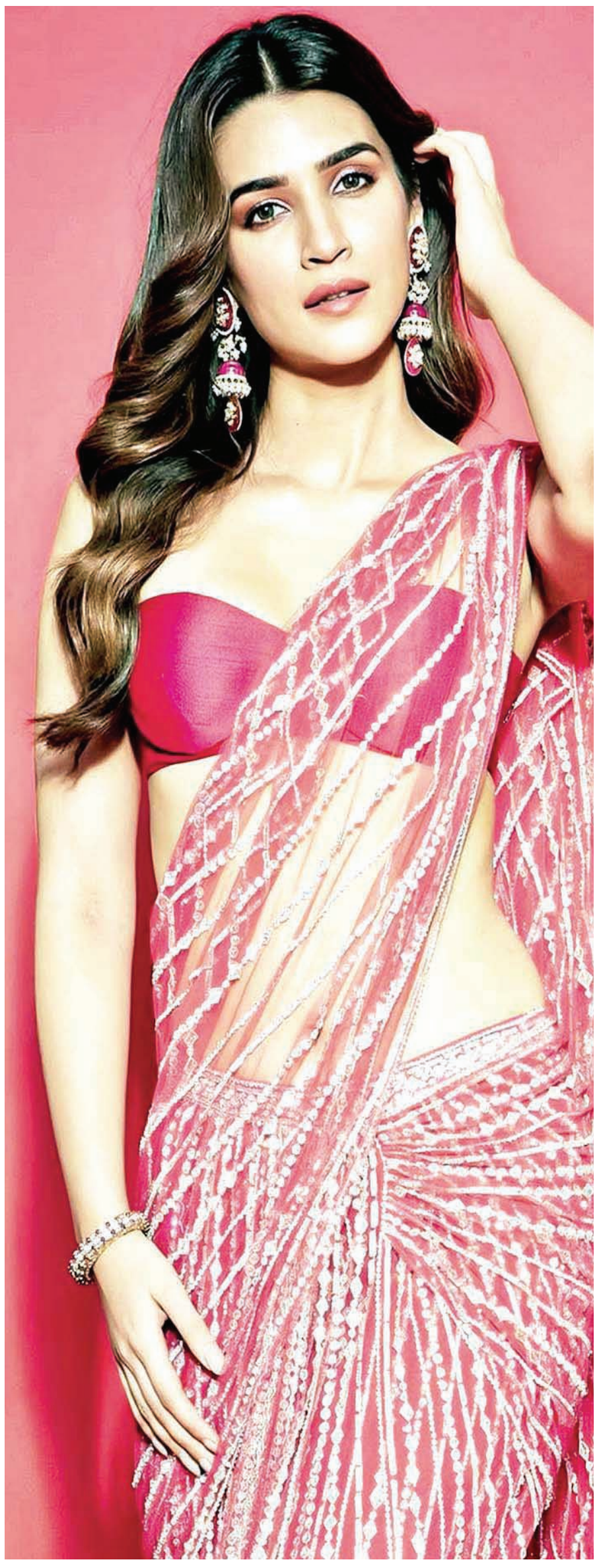

गोल बगीचा में एडब्लूपीएल आयुर्वेदिक हर्बल सेलिंग प्वाइंट का हुआ शुभारंभ

♦भारत टाइम्स♦

गया। शहर के गोल बगीचा रोड में आयुर्वेदिक और हर्बल आधारित कंपनी एस्केपियस वैलनेस प्राइवेट लिमिटेड की सेलिंग प्वाइंट का किया गया उद्घाटन इसके उद्घाटन करता कंपनी से जुड़े कई लोग ने फीता काट कर किया इसमें गया के कई लोग शामिल हुए सेलिंग प्वाइंट के प्रोपराइटर ने बताया इस सेलिंग बिंदु से एडब्लूपीएल की सभी प्रकार की सामग्री को उपभोक्ता खरीद सकेंगे वहीं उन्होंने बताया गया में हमारी ये कंपनी 2 साल से बेहतर कार्य कर रही है और आगे भी यह बेहतर करेगी। वहीं उन्होंने बताया आयुर्वेद अपने स्वास्थ्य और पैसा दोनों बचे।

झारखंड के राज्यपाल ने किया राम वाटिका कॉलोनी का उद्घाटन

♦भारत टाइम्स♦

रामपुर सत्यवीर सागर । मिलक/ झारखंड के राज्यपाल व बरेली से सात बार भाजपा से सांसद रहे संतोष गंगवार 16 फरवरी को एक निजी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मिलक पहुंचे। झारखंड के राज्यपाल बनने के बाद प्रथम बार मिलक नगर आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया गया। जालिफ नगला गांव स्थित श्री राम वाटिका कालौनी में उनकी एक झलक देखने व उनका फूल मालाओं से स्वागत करने बालों का हुजूम उमड़ गया। स्वागत के बाद राम वाटिका का फीता काटकर शुभारंभ किया। उन्होंने चर्चा करते हुए कहा कि नगर के समीप विशालकाय राम वाटिका कालौनी मिलक कस्बे को एक नई पहचान देगी।

राज्यपाल ने राम वाटिका के स्वामी रिंकू बग्गा को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने मिलक क्षेत्रबासियों को एक अनमोल तोहफा दिया है। राज्यपाल राम वाटिका में चल रहे श्री खाटू श्याम संकीर्तन के प्रांगण में पहुंचे और भक्तों के साथ बैठ कर श्री खाटू श्याम संकीर्तन को सुना। प्रसिद्ध गायक कलाकार संजय पारिक के भजनों को सुन वह भक्तों के साथ भक्तिमय बाता वरण में खो गए। सूक्ष्म जलपान के बाद झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार नगर पालिका अध्यक्ष दीक्षा गंगवार के आवास पर पहुंचे और उनके पति कुंवर नरेंद्र सिंह गंगवार के स्वास्थ्य की जानकारी कि । इस अवसर पर मिलक उप जिलाधिकारी सुनील कुमार, मिलक क्षेत्राधिकारी राजवीर सिंह परिहार , थाना प्रभारी निरीक्षक धनंजय सिंह भारी पुलिस फोर्स तथा मिलक क्षेत्र व बरेली जिले के गणमान्य लोग मौजूद रहे। फिलहाल राम वाटिका के डेढ़ सौ बीघा में बनने जा रहे करीब ढाई सौ विला(मकान) के नमूने लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे। रविवार को शुभारंभ के बाद राम वाटिका में निर्मित होने जा रहे विलाओं(मकानों) की बुकिंग शुरू हो गयी।

अस्पताल में चोरी करती दो महिलाएं धराई

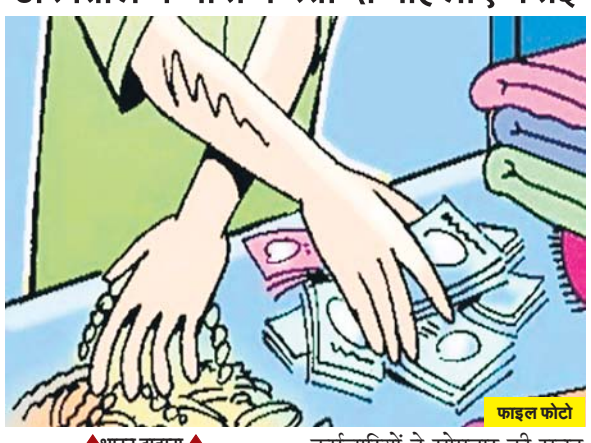

फाइल फोटो

♦भारत टाइम्स♦

रामनगर। स्थानीय लाल बहादुर शास्त्री चिकित्सालय में सोमवार की सुबह मरीजों के पैसे चुराते दो महिलाए रंगे हाथ धरी गई। पिछले कई दिनों से पर्चा कटाने की लाइन में या डाक्टर को दिखाने वाले लाइन में लगकर लोगों के पर्स से पैसा चुरा रही थी। ये लोग पिछले कई दिनों से पैसा चुरा रही थी। कर्मचारियों ने सोमवार की सुबह इन लोगो को मरीजों ने पैसा चुराते हुए पकड़ लिया। पुलिस को सूचना देकर दोनों को उनके सुपुर्द कर दिया गया। थाने मे दोनों तरह तरह की बातें कह कर पुलिस को बरगलाती रही। उनके पास से कुछ बरामद भी नही हुआ। खबर दिये जाने तक दोनों थाने में बैठाई गई थी।

कलेक्टर एसपी ने विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक मावली माता मेला की तैयारियों का लिया जायजा

सभी आवश्यक व्यवस्था पूर्ण करने अधिकारियों को दिये निर्देश

♦भारत टाइम्स♦

नारायणपुर छत्तीसगढ़ (गोलू मरकाम) । कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं एवं पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने जिले में 19 से 23 फरवरी तक आयोजित होने वाले विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक मावली माता मेला की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने निरीक्षण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया, इसके अंतर्गत मंच सुरक्षा, मेला सुरक्षा, पार्किंग एवं सड़क सुरक्षा व्यवस्था सहित सीसीटीवी कैमरों की जानकारी ली। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि मावली माता मेला अबूझमाड़ की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत की एक झाँकी है। यह मेला अबूझमाड़ की जनता के लिए खुशियों का पर्व लेकर आता है, जिसे न सिर्फ. अबूझमाड़ वरन देश विदेश के भी लोग आनंद लेते हैं। मेला की सुरक्षा के लिए पुलिस और केंद्रीय बल के जवानों को तैनात किया जाएगा। ताकि आगंतुक निर्भीक होकर इस ऐतिहासिक मेला का आनंद ले सकें। कलेक्टर ने मावली माता मेला स्थल में अस्थाई पुलिस चौकी तथा हेल्प डेस्क केन्द्र बनाए जाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने देव परिक्रमा की रूट की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होने मेले में आने वाले व्यक्तियों हेतु पेयजल, शौचालय, छाया, सुरक्षा, चिकित्सा व्यवस्था सहित संबंधित स्टॉल लगाने तथा कार्यक्रम को गरिमामय रूप से आयोजन कराने और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति देने वाले सभी नर्तक दलों को निर्धारित समय में प्रस्तुति देने निर्देशित किया। उन्होंने लाईट, साऊण्ड सर्विस, देव समिति, विद्युत, जात्रा कार्यक्रम में आने वाले सिरहा तथा पूजा-पाठ दल के पुजारियों सदस्यों की भोजन व्यवस्था की जानकारी ली। कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों को माता मावली मेला के प्रारंभ होने से पूर्व सभी व्यवस्था पूर्ण करने निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आकांक्षा शिक्षा खलखो, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रॉबिनसन गुरिया, एसडीएम गौतमचंद पाटिल, अभययजीत मण्डावी, आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त राजेन्द्र सिंह, नगरपालिका सीएमओ आशीष कोर्राम, सीएमएचओ डॉ. एसएस राज, जनपद सीईओ नारायणपुर लोकनाथ पटेल, ओरछा लोकेश चतुर्वेदी सहित विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2025

कलेक्टर और सीईओ ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

मतदान केंद्र माहका, पालकी, बिंजली, खोड़गांव और सोनपुर का निरीक्षण कर मतदान संबंधी व्यवस्थाओं का लिया जायजा

♦भारत टाइम्स♦

नारायणपुर छत्तीसगढ़ (गोलू मरकाम) । त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 के पहले चरण में 17 फरवरी को नारायणपुर विकासखंड के माहका, पालकी, बिंजली, खोड़गांव और सोनपुर मतदान केंद्रों का कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिष्ठा ममगाईं और जिला पंचायत सीईओ एवं रिटर्निंग ऑफिसर आकांक्षा शिक्षा खलखो ने निरीक्षण कर मतदान व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

कलेक्टर ने सबसे पहले माहका मतदान केंद्र क्रमांक 86 का निरीक्षण किया, जहां 667 मतदाता पंजीकृत हैं। निरीक्षण के दौरान यहां मतदाताओं की लंबी कतार देखी गई। इसके बाद प्राथमिक शाला पालकी स्थित मतदान केंद्र क्रमांक 15 का निरीक्षण किया गया, जहां 977 मतदाता (435 पुरुष और 542 महिलाएं) अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे थे। बिंजली के मतदान केंद्र क्रमांक 04 और 05 में निरीक्षण के दौरान लगभग 55 प्रतिशत मतदान हो चुका था। खोड़गांव मतदान केंद्र क्रमांक 72 में भी कलेक्टर ने मतदान प्रक्रिया देखी, जहां मतदाता लंबी कतारों में मतदान के लिए इंतजार कर रहे थे। कलेक्टर ने मतदाताओं से संवाद करते हुए सभी ग्रामीणों को मतदान के लिए प्रेरित करने की अपील की। सोनपुर मतदान केंद्र क्रमांक 17 के निरीक्षण के दौरान मतदान अधिकारियों ने जानकारी दी कि यहां 67 प्रतिशत मतदान संपन्न हो चुका है।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मतदान समाप्ति के बाद दोपहर 2 बजे से मतगणना शीघ्र प्रारंभ करें, ताकि निर्वाचन स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए 17 फरवरी को विकासखंड नारायणपुर में 103 मतदान केंद्रों पर 60,094 मतदाता (31,716 महिलाएं, 28,376 पुरुष और 2 तृतीय लिंग मतदाता) अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान एसडीएम गौतमचंद पाटिल और जनपद एवं ग्राम पंचायत के सहायक रिटर्निंग ऑफिसर लोकनाथ पटेल उपस्थित रहे।

नाबालिग बच्चों से काम करवाना दंडनीय अपराध है

♦भारत टाइम्स♦

श्रावस्ती। जनपद श्रावस्ती विकास खण्ड सिरसिया ग्रामीण बौद्ध कल्याण सेवा संस्थान द्वारा ग्राम गढ़ी चौराहा लक्षमन पुर बाजार में बालश्रम, बालविवाह, बालभिक्षावृत्ति एवं मानव तस्करी रोकथाम हेतु जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया बालश्रम करना व करवाना दंडनीय अपराध है कार्यक्रम में बालश्रम बालविवाह बालभिक्षावृत्ति व मानव तस्करी आदि रोकने का प्रयास करना चाहिए यह कानूनन अपराध है इसे करने व कराने वालों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई किया जा सकता है जागरुकता कार्यक्रम के दौरान उपर्युक्त अपराधों के रोकथाम हेतु वूमेन पावर लाइन 1090 आपातकालीन पुलिस सेवा 112, एंबुलेंस सेवा 102/108, महिला हेल्पलाइन 181, साइबर हेल्पलाइन नंबर1930/155260, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 आदि विभिन्न हेल्फ लाइन नंबरो की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सामाजिक एवं ग्रामीण कोऑर्डिनेटर राजकुमार ने सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दिया और कहा कि जानकारी के अभाव से गरीब जनता को लाभ नहीं मिल पा रहा है कार्यक्रम में डॉक्टर रईस, इबरार,अतीक,राम कुमार,जय जय राम, सरोज,सुनील,राम नारायन, थानेदार, मालिक राम, ब्रजेश कुलदीप, संदीप जायसवाल, देवराज वर्मा, प्रदीप चौधरी,रईस, राधेश्याम, अरविन्द, धर्मेन्द्र, श्रवण कुमार, सुरेश, अनिल, बृजेश तिवारी, शंकर, कृष्ण गोपाल, जगदीश तिवारी के साथ-साथ 27 प्रतिभागी मौजूद रहे।

कलेक्टर सीईओ ने किया सोनपुर में संचालित आश्रम छात्रावासों का अवलोकन

♦भारत टाइम्स♦

नारायणपुर छत्तीसगढ़ (गोलू मरकाम) । कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं और जिला पंचायत सीईओ आकांक्षा शिक्षा खलखो के द्वारा मतदान केद्रो के निरीक्षण पश्चात सोनपुर में संचालित आश्रम छात्रावासों का औचक निरीक्षण किया गया। उन्होंने निरीक्षण करते हुए प्री मैट्रिक बालक छात्रावास और आदर्श आदिवासी कन्या आश्रम का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों से साफ सफाई और भोजन की गुणवत्ता संबंधी जानकारी ली। बालक छात्रावास में बच्चों द्वारा खेल मैदान बनाने की मांग किए जाने पर कलेक्टर ने बच्चों को आश्वासन देते हुए कहा कि परीक्षण कर शीघ्र खेल मैदान बनाए जाएंगे। कलेक्टर ने भोजन कर रहे बच्चों का परिचय पूछते हुए बेहतर पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। बालक छात्रावास के निरीक्षण पश्चात आदर्श आदिवासी कन्या आश्रम का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने बालिकाओं से आश्रम की समस्याओं के बारे में जानकारी ली। आश्रम में दी जाने वाली भोजन की गुणवत्ता और साग सब्जी संबंधी जानकारी लेते हुए आश्रम अधीक्षक की उपस्थिति संबंधी जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान एसडीम गौतमचंद पाटिल, जनपद सीईओ लोकनाथ पटेल उपस्थित थे।

ओपन माइंड्स ए बिरला स्कूल में धूमधाम से मनाया वार्षिक उत्सव

♦भारत टाइम्स♦

गया। ओपन माइंड्स ए बिरला स्कूल , गया ने रविवार 16 फरवरी , 2025 को अपना वार्षिक उत्सव बहुत ही धूमधाम, उल्लास और उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर माननीय राहुल कुमार -ज़िला खेल अधिकारी -मुख्य अतिथि थे। अन्य विशिष्ट अतिथियों में सुश्री सुरभि बाला - ज़िला कला संस्कृति अधिकारी, अनिल कुमार -पुलिस उपाधीक्षक, जितेंद्र कुमार- सेक्रेटरी- गया ओलंपिक खेल संघ, जितेंद्र प्रताप सिंह- सहायक संचालक - खेल विभाग (सी यू एस बी)और ट्रस्टी श्री राजीव कुमार , मोहम्मद आकिब ज़िया (प्राचार्य),पीटीए के सदस्य, प्रेस, अभिभावक और छात्र उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के स्वागत से हुई, जिसके बाद मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों ने प्रिंसिपल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ दीप प्रज्वलित किया। प्रिंसिपल मोहम्मद आकिब ज़िया ने अतिथियों और उपस्थित लोगों का स्वागत किया और पिछले सत्र की वार्षिक रिपोर्ट के माध्यम से स्कूल की उपलब्धियों को साझा किया। वही स्कूल के प्रिंसिपल मोहम्मद आकिब जिया ने बताया हम लोग बच्चों पर मेहनत करते हैं ताकि वह एजुकेशन में और कई प्रतियोगिता में भाग ले सके। 'यूफोरिया' थीम पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम में एक स्वागत गीत, प्रकृति की स्तुति और उसके सौंदर्य और लाभों का जश्न मनाती नृत्य नाटिका, भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय लोक नृत्यों मराठी, बिहारी, कव्वाली के साथ फ्यूजन शामिल था, जो अपने ऊजार्वान और पैर थिरकाने वाले मूव्स में रंगों और जीवंतता से भरा था। कार्यक्रम का समापन भव्य पिरामिड शो के साथ हुआ।

मंदबुद्धि लड़की के साथ छेड़खानी पर कानपुर में पांच के खिलाफ एफ आई आर

♦भारत टाइम्स♦

फाइल फोटो

सुनील बाजपेई कानपुर। यहां लड़कियों के साथ छेड़खानी के मामले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। ऐसी एक घटना में नाबालिक लड़की के साथ छेड़खानी में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है । यह मामला बिठूर थाना क्षेत्र का है। बिठूर के मंधना चौकी क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि उनकी 20 साल की बेटी मानसिक रूप से कमजोर यानी मंदबुद्धि है।

आरोप है कि गुराहा मन्धना थाना बिठूर के ही रहने वाला रिषी शुक्ला अपने परिवार के साथ पड़ोस में चल रहे सुंदर कांड में शामिल होने पहुंचा था। मौके पर पहुंची पुलिस को दी गई जानकारी के मुताबिक सुंदरकांड में शामिल होने के बाद रिषी शुक्ला अपने माता पितो को लेकर पीड़िता घर आया जब साथी लोग बातचीत में तल्लीन थे तभी रिषी शुक्ला मौका पाकर उसे छत पर ले गया। इसके बाद उसे बदनीयती से दबोचकर अश्लीलता शुरू कर दी। लड़की के चीखने पर परिवार के लोग छत पर पहुंचे तो दंग रह गए। युवक उनकी बेटी के साथ आपत्तिजनक हालत में था। इसके बाद पीड़ित परिवार ने इस बात का विरोध किया। इसके बाद रिषी के हरकत की जानकारी उनके परिवार के लोगों को दी। इसके बाद पीड़ित परिवार ने मामले की सूचना बिठूर थाने में दी। बिठूर पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी रिषी शुक्ला, उसके पिता राजेश शुक्ला, रिषी की मां, जीजी और बहन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण विषय पर किया गया क्विज का आयोजन

♦भारत टाइम्स♦

नारायणपुर छत्तीसगढ़ (गोलू मरकाम)। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद रायपुर एवं शासकीय स्वामी आत्मानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय नारायणपुर के ग्रंथालय विभाग एवं भौतिकी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में विज्ञान,प्रौद्योगिकी और पर्यावरण विषय पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु 60 प्रतिभागियों ने पंजीयन करवाया था और क्विज में 54 प्रतिभागी शामिल हुए। इस अवसर पर महाविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष संजय कुमार पटेल ने बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 की थीम विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना है। यह दिवस हमारे देश के महान वैज्ञानिक सर सी.वी. रमन की खोज जो श्रमन प्रभावश के नाम से जाना जाता है की स्मृति में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण के क्षेत्र में हुए नवाचार से अवगत कराना तथा उनका सार्थक प्रयोग अपने शैक्षणिक कार्य एवं सामाजिक कल्याण के लिए करने हेतु जागरूक करने के उद्देश्य से किया गया। इस प्रतियोगिता में योजेन्द्र कुमार दीवान बी.ए. तृतीय वर्ष ने प्रथम स्थान तथा दिलीप कुमार बी. ए. तृतीय वर्ष ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जिन्हें जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल किया जाएगा और साथ ही साथ प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। जिला स्तरीय प्रतियोगिता दिनांक 22 फरवरी 2025 को प्रातः 11 बजे से आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को क्रमशः 1000, 750 और 500 रुपए नगद पुरस्कार सह प्रशस्ति पत्र विज्ञान दिवस के अवसर पर 28 फरवरी को प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। इस क्विज प्रतियोगिता में इसरो के वर्तमान अध्यक्ष तथा राष्ट्रीय एमआरआई मशीन,इन्सुलिन और दूध का घटिया श्रोत जैसे बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए। इस अवसर पर भौतिक विभाग के विभागाध्यक्ष श्री भगवान दास चांडक ने सर सी.वी. रमन की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह दिवस हमारे देश के महान वैज्ञानिकों की खोजो और उनकी उपलब्धियां को याद करने का दिन है। इस प्रतियोगिता का मूल्यांकन महाविद्यालय के लाइब्रेरियन श्री संजय कुमार पटेल के संयोजन में अतिथि व्याख्याता डॉ. मीनाक्षी ठाकुर, डॉ. लंकेश यशवंत भैसारे, श्री हंसराज भाषगौरी, श्री प्रफुल्ल गेडाम, श्री प्रशांत कुमार साहू, सुश्री कुंभकार के द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त सहायक प्राध्यापक एवं अतिथि व्याख्याता प्रीति पटेल एवं समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ब्राइटन के खिलाफ चेल्सी की 0-3 से हार के बाद मारेस्का ने बताया इसे सबसे खराब प्रदर्शन

ब्राइटन, एजेंसी। चेल्सी के मैनेजर एंजो मारेस्का ने अपनी टीम की हार पर नाराजगी व्यक्त की है। उनकी टीम को शुक्रवार को ब्राइटन एंड होव एल्बियन के खिलाफ 0-3 की करारी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने इसे अपनी टीम का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन बताया। चेल्सी पूरे मैच में एक भी सही शॉट नहीं लगा सकी और कोई गोल नहीं हुआ। इस मैच में ब्राइटन के काओरू मितोमा ने शानदार गोल कर स्कोरिंग की शुरुआत की। इसके बाद यानकुबा मिन्टेह ने दो और गोल दागे और ब्राइटन ने आसानी से जीत हासिल कर ली। चेल्सी पूरे मैच में आक्रामक खेल नहीं दिखा पाई।मारेस्का ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, जब से मैं आया हूं, यह सबसे खराब प्रदर्शन है, खासकर ऐसे समय में जब हम अच्छे स्थान पर थे। हम लीग में चौथे स्थान पर हैं और अगर हम यह मैच जीतते, तो तीसरे स्थान से सिर्फ एक अंक दूर होते और बाकी टीमों से फासला बढ़ा सकते थे। लेकिन हमने जिस तरह का खेल दिखाया, वह बिल्कुल भी सही नहीं था। हम इस हार से बहुत दुखी हैं और प्रशंसकों से माफी चाहते हैं।कई अहम अटैकिंग खिलाड़ी चोट के कारण नहीं खेल रहे थे, जिससे टीम और कमजोर दिखी। 45 वर्षीय इटालियन कोच ने कहा, पहले 30 मिनट तक हमने अच्छा नियंत्रण रखा, लेकिन मितोमा का गोल होने के बाद हम जल्दी मौके देने लगे और खुद अच्छे मौके बना नहीं पाए। इसकी एक वजह हमारे स्ट्राइकरों की चोटें हैं... कई अहम खिलाड़ी बाहर हैं, लेकिन हमें इसका समाधान खोजना होगा।मारेस्का ने क्रिस्टोफर नकुंकू को मुख्य स्ट्राइकर के रूप में उतारा और कोल पामर को उनके पीछे रखा, लेकिन दोनों ब्राइटन के डिफेंस के लिए कोई खास खतरा नहीं बने। हार के बाद मारेस्का निराश थे, क्योंकि अब उन्हें लंदन लौटना था। उन्होंने कहा, यह मेरे आने के बाद का सबसे खराब समय है, लेकिन हम अब भी अच्छी स्थिति में हैं और हमें सीजन को अच्छे तरीके से खत्म करना होगा।

तिराना टूर्नामेंट से बाहर रह सकते हैं भारतीय पहलवान, मंत्रालय-महासंघ ने एक-दूसरे पर फोड़ा ठीकरा

नई दिल्ली, एजेंसी। मंत्रालय ने दिसंबर 2023 को डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया था लेकिन अंतरराष्ट्रीय कुश्ती से उसे मान्यता मिली हुई है। उसने 30 जनवरी को भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को प्रस्ताव भेजा था।भारतीय पहलवान अल्बानिया में वर्ष की दूसरी रैंकिंग सीरिज से बाहर रहेंगे चूंकि खेल मंत्रालय ने यह कहकर मंजूरी रोक दी कि भारतीय कुश्ती महासंघ ने समय पर जरूरी अनुशंसा जमा नहीं की जबकि महासंघ ने इस आरोप को खारिज किया। मंत्रालय और निलंबित डब्ल्यूएफआई के बीच मतभेदों के चलते भारतीय पहलवान क्रोएशिया के जगरेब में पहली रैंकिंग सीरिज से बाहर रह चुके हैं। दूसरा रैंकिंग सीरिज टूर्नामेंट 26 फरवरी से दो मार्च तक अल्बानिया में होगा। मंत्रालय ने दिसंबर 2023 को डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया था लेकिन अंतरराष्ट्रीय कुश्ती से उसे मान्यता मिली हुई है। उसने 30 जनवरी को भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को प्रस्ताव भेजा था। एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, डब्ल्यूएफआई ने ऐन मौके पर प्रस्ताव भेजा और प्रस्तावित नाम भेजने में भी विलंब हुआ। इसलिए मंजूरी नहीं दी जा सकी।वहीं महासंघ के एक अधिकारी ने कहा, हमने 30 जनवरी को प्रस्ताव भेजा और अगले दिन जवाब आ गया।

पुरूष प्रो लीग हॉकी में भारतीय टीम की हार, स्पेन ने 3-1 से हराया

भुवनेश्वर, एजेंसी

स्पेन ने पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक मैच में मिली हार का बदला चुकता करते हुए भारत को एफआईएच पुरूष प्रो लीग मैच में शनिवार को 3-1 से हरा दिया। सत्र के पहले प्रो लीग मैच में भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। स्पेन के लिये बोर्जा लाकाले (28वां मिनट), इग्नाशियो कोबोस (38वां) और ब्रूनो अविला (56वां मिनट) ने गोल दागे । भारत के लिये एकमात्र गोल 25वें मिनट में सुखजीत सिंह ने किया।

पहला क्वार्टर एक दूसरे की ताकत को आजमाने का रहा। अभिषेक ने एक मौका ललित उपाध्याय के लिए बनाया, लेकिन इसके अलावा भारतीय टीम कोई हमला नहीं बोल सकी। दूसरी ओर भारतीय गोलकीपर कृशन बहादुर को भी पहले क्वार्टर में मेहनत नहीं करनी पड़ी क्योंकि स्पेनिश खिलाड़ियों के शॉट सटीक नहीं पड़े।

भारत ने दूसरे क्वार्टर में गोलकीपर सूरज करकेरा को उतारा और उन्होंने आते ही स्पेन का एक गोल बचाया। सुखजीत ने 25वें मिनट में मैच का पहला गोल दागा जिन्हें दाहिने फ्लैंक से जरमनप्रीत सिंह ने पास दिया था। वह पहले प्रयास में इसे ट्रैप करने में नाकाम रहे लेकिन तेजी से दमदार रिवर्स हिट पर स्पेनिश गोलकीपर को चकमा देकर गोल किया।

तीन मिनट बाद स्पेन ने बराबरी का गोल दागा। भारतीय टीम के कमजोर रक्षण का फायदा उठाते हुए तीसरे क्वार्टर में इग्नाशियो ने टीम को बढत दिला दी। भारत ने तीसरे और चौथे क्वार्टर में कई पेनल्टी कॉर्नर गंवाए। आखिरी सीटी बजने से चार मिनट पहले हरमनप्रीत की गलती से मिले पेनल्टी कॉर्नर पर ब्रूनो ने स्पेन के लिये तीसरा गोल दागा।

यशस्वी जायसवाल रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल से बाहर

नागपुर - मुम्बई के लिए खेलने वाले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल टखने की चोट के कारण सोमवार से विदर्भ के साथ शुरु हो वाले रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल से बाहर गए हैं। यशस्वी जायसवाल इस सप्ताहांत प्रशिक्षण के दौरान के बाएं टखने में चोट लग गई थी। वह अब राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) बेंगलुरू जाएंगे। मुम्बई टीम की ओर जायसवाल की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को टीम में लिये जाने के बारे में नहीं बताया गया हैं।

भारतीय टेस्ट टीम के नियमित सदस्य जायसवाल ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय में पर्दापण किया था। उन्हें विराट कोहली की जगह टीम में शामिल किया था। जायसवाल पहले भारत के शुरूआती चैंपियंस ट्रॉफी टीम में थे। लेकिन आखिर उनकी जगह पर वरूण चक्रवर्ती को टीम में शामिल कर लिया गया। दुबे और जायसवाल को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत के नॉन-ट्रैवलिंग रिजर्व में रखा गया हैं और जरूरत पड़ने पर वे दुबई की यात्रा कर सकते हैं।

इसके बाद जायसवाल मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी का सेमीफाइनल खेलने वाले थे। टीम में अजिंक्य रहाणे, सूर्यकुमार कुमार, शिवम दुबे और शार्दुल ठाकुर जैसे नामी खिलाड़ी है। उल्लेखनीय है कि कल होने वाले सेमीफाइनल में मुम्बई का मुकाबला विदर्भ से होगा।

रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल - केरल पर गुजरात का पलड़ा भारी

अहमदाबाद। पूर्व चैंपियन और मेजबान गुजरात अपने आक्रामक खेल और मजबूत बल्लेबाजी के कारण केरल के खिलाफ सोमवार से यहां शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा।

गुजरात 2016-17 का चैंपियन है लेकिन वह 2019-20 के सत्र के बाद पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचा है। उसने राजकोट में खेले गए क्वार्टर फाइनल मैच में सौराष्ट्र को पारी और 98 रन से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। गुजरात की सेमीफाइनल तक की राह में उसके मध्यक्रम के बल्लेबाजों मनन हिंगराजिया, जयमीत पटेल और विकेटकीपर उर्विल पटेल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उर्विल ने पिछले मैच में 140 रन बनाए थे जो उनके प्रथम श्रेणी करियर का पहला शतक था। जयमीत ने भी इस मैच में शतक लगाया था जिससे गुजरात ने अपनी पहली पारी में 511 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जयमीत ने इस सत्र में गुजरात की तरफ से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने अभी तक 48.50 की औसत से 582 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। मनन भी 570 रन बनाकर जयमीत से ज्यादा पीछे नहीं हैं। उन्होंने भी अपने प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई है और उनके नाम पर दो शतक दर्ज हैं।

जहां तक सचिन बेबी की अगुवाई वाली केरल की टीम का सवाल है तो उसके लिए अभी तक का सफर काफी भावनात्मक रहा है। उसने क्वार्टर फाइनल में जम्मू कश्मीर पर पहली पारी में एक रन की बढ़त हासिल करने के दम पर दूसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। क्वार्टर फाइनल में केरल के सामने 399 रन का चुनौती पूर्ण लक्ष्य था लेकिन उसके बल्लेबाजों ने अपने धैर्य और दृढ़ संकल्प का शानदार नमूना पेश करके मैच को ड्रॉ करा कर अपनी टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया था।

विवादास्पद रन आउट से बवाल, मुंबई की हार के बाद एडवर्ड्स ने अंपायरिंग पर उठाए सवाल

वड़ोदरा-मुंबई इंडियंस की कोच चार्लोट एडवर्ड्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उनकी टीम की आखिरी गेंद पर दो विकेट से हार में बड़ी भूमिका निभाने वाले विवादास्पद रन आउट फैसलों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इस तरह के निर्णय को समझना वास्तव में मुश्किल है जो मैच के अंतिम परिणाम को प्रभावित करते हैं। रन आउट के तीन विवादास्पद फैसले मुंबई इंडियंस के खिलाफ गए जिसका फायदा उठाकर दिल्ली जीत हासिल करने में सफल रही।

तीसरी अंपायर गायत्री वेणुगोपालन ने दिल्ली की तीन बल्लेबाजों राधा यादव, अरुंधति रेड्डी और शिखा पांडे को गिल्लियों की लाइट जलने के बावजूद नॉट आउट करार दिया। तीसरे अंपायर के इन फैसलों ने आखिर में मैच के परिणाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुंबई की करीबी हार के बाद इंग्लैंड की दो बार की विश्व कप विजेता कप्तान एडवर्ड्स ने कहा, 'आपको काफी शांत रहना होगा।

जब अधिकतर फैसलों के लिए तीसरे अंपायर की मदद ली जाती है तो वास्तव में यह काफी मुश्किल होता है। तब मैच का परिणाम बड़ी स्क्रीन पर नजर आता है। उन्होंने कहा, 'इसे पचा पाना वास्तव में मुश्किल है लेकिन मैं लंबे समय से इस खेल से जुड़ी हूं और जानती हूं कि यह खेल का हिस्सा है। इसलिए हमें बस आगे बढ़ना है। हमारी निगाह मंगलवार को होने वाले मैच पर हैं। भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज ने भी मैच की कमेंट्री करते हुए कहा था कि अरुंधति और राधा यादव के मामले में फैसला मुंबई के पक्ष में जाना चाहिए था।

चैंपियंस ट्रॉफी : टिम साउदी को न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दुबई । न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज टिम साउदी को भरोसा है कि पाकिस्तान में हाल ही में समाप्त हुई त्रिकोणीय श्रृंखला में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले उनके देश के कम अनुभवी तेज गेंदबाज चैंपियंस ट्रॉफी में भी अपनी इस फॉर्म को बरकरार रखेंगे। पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले 36 वर्षीय साउदी ने न्यूजीलैंड की तरफ से तीनों प्रारूप में 776 विकेट लिए हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड को ट्रेंट बोल्ट की सेवाएं नहीं मिल पाएंगी जबकि लॉकी फर्ग्यूसन का चोटिल होने के कारण खेलना संदिग्ध है। ऐसे में उसके तेज गेंदबाजी आक्रमण का दारोमदार विल ओरूर्के, जैकब डफी, नाथन स्मिथ और मैट हेनरी पर रहेगा।

साउदी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की विज्ञप्ति में कहा, 'मैं और बोल्ट इस समय आईसीसी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले रहे हैं इसलिए इस बार स्थिति थोड़ा भिन्न है लेकिन साथ ही यह उत्साह जनक भी है। इन प्रतियोगिताओं का हिस्सा बनना महत्वपूर्ण होता है और अब इन युवा खिलाड़ियों पर जिम्मेदारी है और मैं उनके प्रदर्शन को लेकर काफी उत्साहित हूं।

उन्होंने कहा, 'जिस तरह से टीम ने प्रदर्शन किया है और विभिन्न खिलाड़ियों ने अलग-अलग अवसरों पर अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई है वह शानदार है। यह टीम अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। साउदी ने कहा, 'चैंपियंस ट्रॉफी से पहले त्रिकोणीय श्रृंखला में खेलने से उन्हें फायदा मिलेगा। टीम ने टूर्नामेंट से पहले लय पकड़ ली है और वह परिस्थितियों से अच्छी तरह तालमेल बिठा चुकी है जिसका फायदा उसे आगे मिलेगा।

सिनर और वाडा के बीच समझौते की आलोचना, वावरिंका-किर्गियोस समेत टेनिस खिलाड़ियों ने कही यह बात

लंदन

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर पर डोपिंग मामले में तीन महीने का प्रतिबंध लगाने के समझौते की टेनिस खिलाड़ियों ने कड़ी आलोचना की है। सिनर और विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के बीच निलंबन को लेकर समझौता हो गया है जिसका मतलब है कि इटली का यह खिलाड़ी पांच मई से फिर से खेल सकता है। इससे उनकी विश्व में नंबर एक रैंकिंग पर भी कोई असर नहीं पड़ेगा तथा वह सभी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेल पाएंगे। पिछले साल मार्च में प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड के सेवन का दोषी पाए जाने वाले सिनर को कोई खिताब या पुरस्कार राशि भी नहीं गंवानी पड़ेगी।

तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टैन वावरिंका ने

एक्स पर लिखा, मैं अब साफ-सुथरे खेल में विश्वास नहीं करता। विंबलडन उपविजेता निक किर्गियोस ने एक्स पर कहा, टेनिस में निष्पक्षता मौजूद नहीं है। सिनर की टीम ने केवल तीन महीने का प्रतिबंध लगाने के लिए अपनी तरफ से पूरी शक्ति लगा दी। कोई खिताब नहीं खोया, कोई पुरस्कार राशि नहीं खोई। दोषी है या नहीं? टेनिस के लिए दुखद दिन।

विश्व के आठवें नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने मार्सिले ओपन के सेमीफाइनल में हारने के बाद कहा, मुझे उम्मीद है कि हर कोई वाडा के साथ चर्चा कर सकता है और अब से यानिक सिनर की तरह खुद का बचाव कर सकता है। विश्व के पूर्व नंबर एक ब्रिटिश खिलाड़ी टिम हेनमैन ने स्काई स्पोर्ट से कहा, उसने अभी ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीता है और वह अगले तीन महीने तक एटीपी टूर में नहीं खेल पाएगा लेकिन फ्रेंच ओपन में खेलने का पात्र होगा। सिनर के लिए प्रतिबंध झेलने का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता था लेकिन यह इस खेल के लिए कड़वे घूंट की तरह है।

नोवाक जोकोविच और वासेक पोस्पिसिल द्वारा स्थापित प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन ने भी निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल पार्टियों की आलोचना करते हुए एक्स पर जारी बयान में कहा, प्रणाली कोई प्रणाली नहीं है। यह एक क्लब है। यह केवल अनुरूप सौदों, अनुचित व्यवहार और असंगत निर्णयों के लिए कवर है। इसमें पारदर्शिता की कमी और प्रक्रिया का अभाव है।

पुलवामा हमले में शहीद हुए जवान के बेटे का अंडर-19 टीम में चयन...

वीरेंद्र सहवाग ने बताई कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। पुलवामा में हुए आतंकी हमले को 6 साल पूरे हो चुके हैं. 14 फरवरी 2019 को जैश-ए-मोहम्मद के एक आतंकी ने विस्फोटक से लदे वाहन को आरपीएफ जवानों की बस से टक्कर मार दी थी. इस टक्कर के बाद एक जोरदार धमाका हुआ. हमले में 40 सीआरपीएफ जवान शहीद हो गए थे.

सहवाग ने लिया था ये फैसला...

पुलवामा हमले के बाद टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने एक दिल जीतने वाला फैसला लिया था. सहवाग ने पुलवामा आतंकवादी हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ जवानों के बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाने की जिम्मेदारी ली. सहवाग ये जिम्मेदारी बखूबी निभा रहे हैं. राहुल सोरेंग और अर्पित सिंह झज्जर स्थित सहवाग इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ाई करते हैं. राहुल के पिता विजय सोरेंग और अपित सिंह के पिता राम वकील उस आतंकवादी हमले में शहीद हो गए थे. राहुल सोरेंग तो अब क्रिकेट की दुनिया में भी अपनी पहचान बना रहे हैं. राहुल सोरेंगे का चयन हाल ही में हरियाणा अंडर-19 टीम में हुआ है. इसकी जानकारी वीरेंद्र सहवाग ने खुद दी है.

वीरेंद्र सहवाग ने पुलवामा अटैक की छठी बरसी पर एक मार्मिक पोस्ट शेयर किया. सहवाग ने लिखा, इस दुखद दिन को 6 साल हो गए है. हमारे बहादुर जवानों के शहादत की भरपाई नहीं हो सकती है, लेकिन राहुल सोरेंग ह्य/श शहीद विजय सोरेंग और अर्पित सिंह शहीद राम वकील पिछले 5 सालों से सहवाग इंटरनेशनल स्कूल में हैं, जो सबसे संतोषजनक अहसासों में से एक है. राहुल को हाल ही में हरियाणा अंडर-19 टीम में चुना गया है. सभी बहादुरों को नमन.

वीरेंद्र सहवाग की यह पोस्ट न केवल राहुल सोरेंग की उपलब्धि का जश्न मनाती है, बल्कि भारतीय सैनिकों के बलिदान और उनके परिवारों का समर्थन करने के महत्व पर भी प्रकाश डालती है. राहुल की जर्नी आशा की किरण है और यह याद दिलाती है कि कैसे एक सार्थक पहल युवा प्रतिभाओं को उनके सपनों को पूरा करने के लिए सशक्त बना सकती है. राहुल ने स्कूल में कड़ी ट्रेनिंग की है और विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में अपने क्रिकेटिंग स्किल को निखारा है. उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प ने अब उन्हें हरियाणा अंडर-19 टीम में जगह दिलाई है, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है.

जनहित के मुद्दों को सदन में रखें, स्वस्थ चर्चा से कराएं प्रदेश का विकास: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान भवन में सर्वदलीय बैठक को किया संबोधित

- 18 फरवरी मंगलवार से प्रारंभ होगा विधानसभा का बजट सत्र
- विधानसभा का बजट सत्र 18 फरवरी मंगलवार से प्रारंभ होगा। इसके पूर्व सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक

♦भारत टाइम्स♦

लखनऊ। विधानसभा का बजट सत्र 18 फरवरी मंगलवार से प्रारंभ होगा। इसके पूर्व सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। नेता सदन ने विपक्षी दलों से सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों के नेताओं से कहाकि जनहित के मुद्दों को सदन में रखें एवं स्वस्थ चर्चा कर प्रदेश में विकास को और गति प्रदान करने में सरकार का सहयोग करें। विधानसभा सत्र संचालन के संबंध में विधान भवन में सोमवार को सर्वदलीय बैठक हुई।

इसकी अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने की। नेता सदन योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सदन में स्वस्थ चर्चा होनी चाहिए। इससे प्रदेश का विकास भी होता है और जनता की समस्याओं का समाधान भी। जनप्रतिनिधि के रूप में जनता के हित से जुड़े हर मुद्दों पर सदन में सुचारू रूप से चर्चा होनी चाहिए। सीएम ने कहा कि सदन के संचालन में किसी प्रकार की बाधाएं न आएं, इसका ध्यान सभी सदस्यों को रखना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने भी सदन के सुचारू संचालन के लिए सभी सदस्यों का सहयोग मांगा। बैठक में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के विधायक बेदी राम, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी से विनोद सरोज आदि मौजूद रहे।

प्रेम की परिभाषा

प्रेम वह एक मधुर भावना है
किसी व्यक्ति के प्रति स्नेह है
जो एक बजबूत आकर्षण है
निजी जुड़ाव की कामना है
किसी भी रिश्ते में प्यार हो सकता विजया!

दो अक्षरों का पद समझते हैं
प्रेम शब्द में पांच वर्ण होते हैं
संस्कृत भाषा से लिया गया है
प्रिय शब्द से उत्पन्न हुई है
मुहब्बत, अनुराग भी कहते विजया!

इश्क दो व्यक्तियों को मिलाती है
प्यार दो दिलों का मेल मिलाप है
कष्टों को सहने की शक्ति देती है
क्रूर दानव में भी प्रेम जागती है
कठोर मन में शांत प्रेम होता विजया!

प्यार में कोई स्वार्थ नहीं होती
प्यार हर दर्द को दूर करती
प्यार छोट का दिव्य ओषध बनती
प्यार एक पवित्र भावना होती
प्यार सारे जग को चलाती है विजया!

इश्क में पागल बनता है दिल
प्यार पाने तरसता हर पल
सनम सजाता है महफि ल
जीवन बनाते हम खुश हाल
यही है न कादल का मंजिल विजया!

प्यार में बनावट नहीं होना है
एक दूसरे को समझना है
इश्क में क्षमा भाव रखना है
आदर सम्मान के साथ जीना है
प्रेम में स्त्री पुरुष समान होते विजया!

जी.विजयमेरी, हिंदी अध्यापिका
अनंतपुर जिला, आंध्रप्रदेश

महाकुम्भ के सेंट्रल हॉस्पिटल की सुविधाएं देख अमेरिका, लंदन, ऑस्ट्रेलिया और इजरायल वाले भी दंग

विदेशी भी अस्थाई हॉस्पिटल की विश्वस्तरीय व्यवस्था देख महाकुम्भ की स्वास्थ्य व्यवस्था के हुए मुरीद

♦भारत टाइम्स♦

महाकुम्भ नगर। दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजन महाकुम्भ में इस बार केवल आस्था ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं का भी अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महाकुम्भ नगर में अस्थायी हॉस्पिटल की जो व्यवस्था की गई है, उसने न सिर्फ देश बल्कि विदेशों से आए श्रद्धालुओं को भी चकित कर दिया है। अमेरिका, लंदन, ऑस्ट्रेलिया, इजरायल जैसे देशों के नागरिकों ने यहां की चिकित्सा सेवाओं को दुनिया में सबसे बेहतरीन करार दिया है। उन्होंने सेंट्रल हॉस्पिटल के रिकॉर्ड बुक में बाकायदा लिखा है कि योगी सरकार ने प्रयागराज में जो कर दिखाया, वैसा अब तक दुनिया के किसी देश में नहीं देखा गया। महाकुम्भ में सोमवार की शाम तक कुल साढ़े सात लाख से अधिक श्रद्धालुओं का उपचार किया गया है। जिसमें एम्स दिल्ली और आईएमएस बीएचयू के एक्सपर्ट की भी प्रमुख भूमिका है।

विदेशी श्रद्धालु भी हुए मुरीद- महाकुम्भ के सेंट्रल हॉस्पिटल में इलाज करा चुके यूके के कैटेनियन डेविडसन ने कहा कि इतनी शानदार चिकित्सा सुविधाएं पहली बार किसी अस्थायी अस्पताल में देखी हैं। अपने देश में भी अस्थायी अस्पतालों में इतनी बेहतर व्यवस्थाएं कभी नहीं देखीं। यह तो पूरी तरह से स्थायी लगता है। इसी तरह इजरायल के डाइटेच ने कहा कि सेंट्रल हॉस्पिटल समेत महाकुम्भनगर के सभी चिकित्सा केंद्र अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। हर मरीज की यहां पर गहन जांच हो रही है।

योगी सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्था की दुनिया में मिसाल- लंदन के नेकेल ने आईसीयू प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ पांडेय और उनकी टीम की तारीफ करते हुए कहा कि मेरे भाई का समय पर इलाज कर हमें पूरी तरह संतुष्ट किया गया। भारत की सबसे बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं हमें यहीं महाकुम्भ में देखने को मिली हैं।ऑस्ट्रेलिया के डेनियल ने महाकुम्भनगर की स्वास्थ्य व्यवस्था को बहुत ही प्रभावशाली करार दिया है। उनका कहना था कि इस सेंट्रल हॉस्पिटल के जरिए ही दुनिया के सबसे बड़े आयोजन की सार्थकता साबित हुई है।

भारतीय श्रद्धालु भी संतुष्ट- वहीं, सुप्रीम कोर्ट के जज अनिमेष गुप्ता ने कहा कि योगी सरकार ने जिस तरह एक्सपर्ट डॉक्टरों की टीम और विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था की है, वह काबिले तारीफ है। दिल्ली से आए वासु ने बताया कि मैं परिवार के साथ महाकुम्भनगर में संगम स्नान के लिए आया था। यहां अचानक तबीयत खराब हो जाने से पूरा परिवार परेशान हो गया। इसके बाद लोगों ने सेंट्रल हॉस्पिटल में डॉक्टरों को दिखाने की सलाह दी। जैसे ही हम सेंट्रल हॉस्पिटल पहुंचे, वहां के एक्सपर्ट डॉक्टरों की टीम ने तुरंत हमारी जांच की और उपचार करने के बाद दवाएं उपलब्ध कराईं। आराम मिलने के बाद हम वापस लौटे। महाकुम्भ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जो इंतजाम किए हैं, वैसा पूरे देश में कोई और नहीं कर सकता।

साढ़े सात लाख श्रद्धालुओं का उपचार

महाकुम्भ में सोमवार शाम तक 7.5 लाख श्रद्धालुओं को बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं दी जा चुकी हैं। महाकुम्भ मेला के नोडल चिकित्सा स्थापना डॉक्टर गौरव दुबे ने बताया कि श्रद्धालुओं की देखभाल के लिए एम्स दिल्ली और आईएमएस बीएचयू के विशेषज्ञ डॉक्टरों समेत पूरे देश की एक्सपर्ट टीम यहां तैनात है। अपर निदेशक स्वास्थ्य डॉ राकेश शर्मा, सेंट्रल हॉस्पिटल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ मनोज कौशिक के नेतृत्व में यहां एलोपैथी के 23 अस्पतालों में साढ़े पांच लाख से अधिक मरीजों का इलाज किया जा चुका है। इसके अलावा पांच लाख से अधिक पैथोलॉजी टेस्ट किए गए हैं। वहां, 4000 छोटे और 12 बड़े ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए गए। वहीं, डॉ. गिरीश चंद्र पांडेय ने बताया कि क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. मनोज सिंह के नेतृत्व में टीम ने आयुष चिकित्सा से अब तक 2.25 लाख से अधिक मरीजों का उपचार किया है।

महीनों पहले बनाई गई स्वस्थ मेला लगाने की योजना आखीर कर सभी के सहयोग से सफल रही समाजसेवी पंकज वागरेचा

♦भारत टाइम्स♦

रहीम शेरानी। झाबुआ। झाबुआ जिले के मेघनगर महावीर भवन में संथारा साधक समाज रत्न हसमुखलाल वागरेचा की प्रथम पुण्यतिथि पर विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिवीर आयोजित किया गया ऐतिहासिक स्वास्थ्य मैले में हजारों मरीजों ने पहूंचाकर निःशुल्क दावाईयो के साथ स्वास्थ्य लाभ लिया । स्वास्थ्य मेले के पुर्व मरीजों की सिटी स्किन, सोनो ग्राफी, इक्कों, इसी जी, एक्स-रे, ब्लड जांच, कैंसर की जांच, अन्य तरीके की लाखों रुपए की जांच निःशुल्क दिनांक 12 एवं 13 फरवरी को जांच कैंप महावीर भवन में लगा कर करवाई गई थी। संथारा साधक हसमुखलाल वागरेचा की प्रथम पुण्यतिथि पर सर्व रोग परीक्षण स्वस्थ मैला लगाया गया स्वास्थ्य मेले में झाबुआ, अलीराजपुर, धार,

बड़वानी, रतलाम, बांसवाड़ा, लिंमड़ी, झालोद, राणापुर, धामनोद, बाकानेर, आदी ज़िले एवं राज्य के पिडीत मरीज भी स्वास्थ्य मेले में पहुंचे अहमदाबाद गुजरात के विशेषज्ञ प्रख्यात डॉक्टरो से अपना उपचार करवा कर निःशुल्क दवाइयां प्राप्त की। झाबुआ जिले के मेघनगर के इतिहास का पहला ऐतिहासिक यह शिविर साबित हुआ क्योंकि इतनी बड़ी संख्या में एक साथ इतने मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। सर्व रोगों का परीक्षण एवं निदान कीया गया स्वास्थ्य मेले में सर्व प्रथम नवकार महामंत्र जाप से शिविर का शुभारंभ शिविर के संयोजक समाज सेवी पंकज वागरेचा, निलेश वागरेचा, संजय वागरेचा, श्रीमती स्नेहलता वागरेचा, श्रीमती सपना वागरेचा, श्रीमती मेघना वागरेचा, परिवार के सदस्य एवं सहयोगी संस्था से जुड़े सदस्यों ने गुजरात के अहमदाबाद से आए डॉक्टर का अभिवादन किया।

फायर अफसरों की त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टला, कोई जनहानि नहीं

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ 2025 में सोमवार को श्री कपि मानस मंडल और उपभोक्ता संरक्षण समिति के शिविरों में आग लगने की घटनाएं सामने आईं। फायर सर्विस यूनिट की त्वरित कार्रवाई से आग पर काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि दोनों घटनाओं में कोई जनहानि नहीं हुई। उल्लेखनीय है कि महाकुम्भ 2025 के दौरान सुरक्षा और अग्निशमन के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, जिसकी मदद से आग की घटनाओं पर तत्काल प्रतिक्रिया और नियंत्रण संभव हो रहा है।

श्री कपि मानस मंडल शिविर में आग, फायर यूनिट की त्वरित कार्रवाई- महाकुम्भ के नोडल और

मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रमोद शर्मा ने बताया कि सोमवार सुबह श्री कपि मानस मंडल शिविर के दो टेंट में अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही अग्निशमन यूनिट ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया।

सेक्टर 8 में उपभोक्ता संरक्षण समिति शिविर में भी आग पर पाया गया काबू- उन्होंने बताया कि श्री कपि मानस मंडल की आग बुझाने के दौरान फायर यूनिट ने देखा कि सेक्टर 8 में धुआं उठ रहा है। तुरंत मौके पर पहुंचने पर पाया गया कि उपभोक्ता संरक्षण समिति शिविर में भी आग लगी थी। फायर टीम ने पंपिंग वाहनों से पानी छिड़काव कर आग को पूरी तरह बुझा दिया।

फायर अफसरों की मौजूदगी और त्वरित राहत कार्य- उन्होंने बताया कि आग लगने की दोनों घटनाओं पर फायर स्टेशन कोटेश्वर महादेव के प्रभारी एफएस भारद्वाज अपनी यूनिट के साथ मौके पर पहुंचे और राहत कार्य का नेतृत्व किया। उनकी त्वरित कार्रवाई से बड़ी जनहानि टल गई। इन दोनों घटनाओं में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। फायर सर्विस की तत्परता के कारण आग पर तुरंत काबू पाया जा सका।

महाकुम्भ दक्षिण भारत के 200 अतिथियों के पहले ग्रुप का महाकुम्भ प्रशासन ने किया भव्य स्वागत

प्रयागराज महाकुम्भ पहुंचे काशी तमिल संगमम के प्रतिनिधि, आस्था के महा समागम के बने साक्षी

♦भारत टाइम्स♦

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज महाकुम्भ में उत्तर और दक्षिण भारत की संस्कृतियों का संगम भी हो रहा है। महाकुम्भ में दक्षिण भारत के इन अतिथियों का सोमवार को आगमन हुआ। वाराणसी के बाद काशी तमिल संगमम 3.0 का दूसरा पड़ाव था प्रयागराज, जिसके बाद यह ग्रुप राम नगरी अयोध्या के लिए प्रस्थान कर गया।

महाकुम्भ पहुंचे काशी तमिल संगमम के 200 प्रतिनिधि, संगम में लगाई पुण्य की डुबकी - प्राचीन भारत में शिक्षा और संस्कृति के दो महत्वपूर्ण केंद्रों वाराणसी और तमिलनाडु के बीच जीवंत संबंधों को पुनर्जीवित करने के क्रम में आयोजित किए जा रहे काशी तमिल संगमम 3.0 का पहला दल प्रयागराज महाकुम्भ पहुंचा। दक्षिण भारतीय अतिथियों के प्रथम दल का महा कुम्भ मेला एवं जिला प्रशासन ने भव्य स्वागत किया। महाकुम्भ नगर के सेक्टर 22 स्थित कुम्भ रिट्रीट टेंट सिटी में उनका शानदार स्वागत किया गया। अतिथियों ने त्रिवेणी संगम में पुण्य

की डुबकी लगाई और पूजा अर्चना की। जिला विकास अधिकारी भोलानाथ कनौजिया बताते हैं कि तमिल संगमम 3.0 के इस प्रथम दल में 200 अतिथि महा कुम्भ पहुंचे।

महाकुम्भ में आस्था की डुबकी लगा अभिभूत हुए अतिथि, बोले महाकुम्भ एकता और समरसता का आधार- काशी तमिल संगमम का उद्देश्य दो संस्कृतियों में निकटता लाना और उसे मजबूत करना है। काशी तमिल संगमम का तीसरा संस्करण दो महत्वपूर्ण आयोजनों के साथ विशिष्ट हो गया जिसमें एक प्रयागराज में महा कुम्भ का आयोजन है तो दूसरा अयोध्या में श्री राम मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा। तमिलनाडु के परूति शहर से तमिल संगमम में शामिल हुए श्रीधर राधाकृष्णन कहते हैं कि महाकुम्भ का यह आयोजन अपने में अद्भुत और दिव्य है। अमृत काल में त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर दिव्य अनुभूति हुई है। तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई से आए शोध छात्र नारायणमूर्ति का कहना है कि महाकुम्भ उत्तर दक्षिण के बीच सांस्कृतिक संगम का ही नहीं बल्कि वैश्विक संस्कृति और बंधुत्व का मिलन स्थल है।

त्रिवेणी स्नान के उपरांत अयोध्या के लिए किया प्रस्थान

काशी तमिल संगमम के अतिथियों का महाकुम्भ के सेक्टर 22 के दिव्य कुम्भ रिट्रीट टेंट सिटी में आगमन हुआ। अतिथियों का संगम में स्नान करने के बाद लेटे हनुमान जी, शंकर विमान मंडपम में दर्शन करने का कार्यक्रम प्रस्तावित था लेकिन महा कुम्भ में उमड़े आस्था के जन सैलाब को देखते हुए यह संभव नहीं हो सका। डिजिटल कुम्भ प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद अतिथियों का पहला दल अयोध्या धाम के लिए प्रस्थान कर गया।

लोकायुक्त की बड़ी कार्यवाही थांदला में बि,आर,सी, रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

♦भारत टाइम्स♦

रहीम शेरानी। झाबुआ। झाबुआ जिले के थांदला में महानिदेशक लोकायुक्त जयदीप प्रसाद के भ्रष्टाचार के विरूद्ध सख्त कार्यवाही किये जाने के निर्देश पर इंदौर लोकायुक्त इकाई की ट्रेप कार्यवाही आवदेक रूसमल भूरिया पिता मांगिया भूरिया उम्र 32 वर्ष, स्कूल संचालक, ज्ञानगंगा एके-डमी थांदला जिला झाबुआ निवासी ग्राम छोटा गुडा तहसील मेघनगर जिला झाबुआ आरोपी संजय सिकरवार पिता वीरेन्द्र सिंह सिकरवार उम्र 51 वर्ष पद- खण्ड स्त्रोत समन्वयक (बीआरसी) कार्यालय खण्ड स्त्रोत समन्वयक (बीआरसी) थांदला जिला झाबुआ मूल विभाग शिक्षा विभाग झाबुआ निवासी 24 लक्ष्मीनगर झाबुआ आरोपी-2 श्यामलाल पाल पिता प्रताप पाल उम्र-43 वर्ष पद मृत्य कार्यालय खण्ड स्त्रोत समन्वयक (बीआरसी) थांदला जिला झाबुआ निवासी ग्राम- मछलाई तहसील थांदला जिला झाबुआ रिश्वत राशि - 11,000/- रू० आवेदक ज्ञानगंगा

एकेडमी थांदला जिला झाबुआ का संचालक है, जिसकी मान्यता मार्च 2024 में समाप्त हो गई थी, जिसके नवीनी करण करने के एवज में आरोपी संजय सिकरवार, बीआरएसी एवं आरोपी श्यामलाल पाल द्वारा आवेदक से 18,000/- रू. रिश्वत की मांग की जा रही थी। जिसकी शिकायत आवेदक द्वारा राजेश सहाय, पुलिस अधीक्षक, विपुस्था लोकायुक्त इंदौर को की गई। सत्यापन में शिकायत सही पाई जाने पर दिनांक 17. 02.2025 को ट्रैपदल का गठन किया गया और आरोपीगण को 11,000/- रू० रिश्वत लेते हुये रंगे हाथो पकडा गया। आरोपीगण के विरूद्ध भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम 2018 की धारा 7 एवं 61 (2) बीएनएस 2023 के अन्तर्गत कार्यवाही की। ट्रेपदल- निरीक्षक राहुल गजभिये, कार्यवाहक निरीक्षक श्रीमती प्रतिभा तोमर, आरक्षक विजय कुमार, आरक्षक अनिल परमार, आरक्षक शैलेन्द्र सिंह बघेल, आरक्षक मनीष माथुर एवं आरक्षक कृष्णा आदी उपस्थित थे।